सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 327, नई दिल्ली । सोमवार, 03 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कष्ट सहने पर ही हमें अनुभव होता है और दर्द हो, तभी हम सीख पाते हैं।

03 पुलिस पर नजर रखने के लिए पर्यवेक्षक की तैनाती....
06 अधिक घंटे अधिक उत्पादकता के बराबर होता है
08 शराब फैक्ट्री से 3.5 करोड़ की लूट का मामला: 8 सदस्यीय गिरोह पकड़ा गया

वीवीआईपी तक का वाहन पोर्टल पर उपलब्ध डाटा का बाहरी व्यक्तियों को उपलब्धता सुरक्षा में बड़ी सेंध

संजय बाटला

नईदिल्ली। हमने आपको पहले भी अवगत करवाया था की भारत देश में वाहन पोर्टल पर उपलब्ध वाहन मालिकों का डाटा (आधार कार्ड डाटा, पेन कार्ड डाटा, बैंक डिटेल, निवास स्थल, मोबाइल नंबर और व्यवसायिक जानकारी के साथ अन्य सभी दस्तावेज सुरक्षित नहीं हैं। इनकी सरल उपलब्धता साइबर क्राइम की तरफ बड़ा इशारा करता नजर आ रहा है।

आपकी जानकारी हेतु बता दें इस तरह का हादसा ना सिर्फ आम जनता के साथ हो सकता है अपितु इससे देश के वीवीआईपी तक सुरक्षित नहीं हैं जिन्हें एक तरफ जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा देश से उपलब्ध हैं। सबसे अचंभे की बात यह है की इसकी जानकारी होते हुए भी आखिर क्यों सभी एजेंसी आंखे मुद कर शांत बैठी हैं शायद किसी बड़े स्तर के वीवीआईपी के साथ हादसा होने का इंतजार कर रही है।

हमने पहले वाहन और चालान डेटा के बारे में आपको अवगत किया था लेकिन उससे भी बदतर यह है की वाहन और चालान के साथ ड्राइविंग लाइसेंस और प्रदूषण प्रमाणपत्र का विवरण भी ऐसे ही साझा किया जा रहा है जैसे कि यह कुछ भी नहीं है। सबसे बुरी बात और अचंभे की बात यह है कि यह वास्तविक समय में ही उपलब्ध करवाया जा रहा है, इसलिए ऐसा लगता है डाटा की सुरक्षा में सलग्न ही कोई व्यक्ति यह सारी निजी जानकारी सभी को देखने के लिए दे रहा है। जांच में हमें कुछ ऐप्स के लिंक भी मिले हैं जहाँ ऐसा हो रहा है और यह सब देख कर ही सिद्ध होता है की कोई उच्च स्तरीय व्यक्ति इसके पीछे स्लगित है। आपकी जानकारी हेतु कुछ ऐप लिंक आपके लिए यहाँ प्रस्तुत हैं:

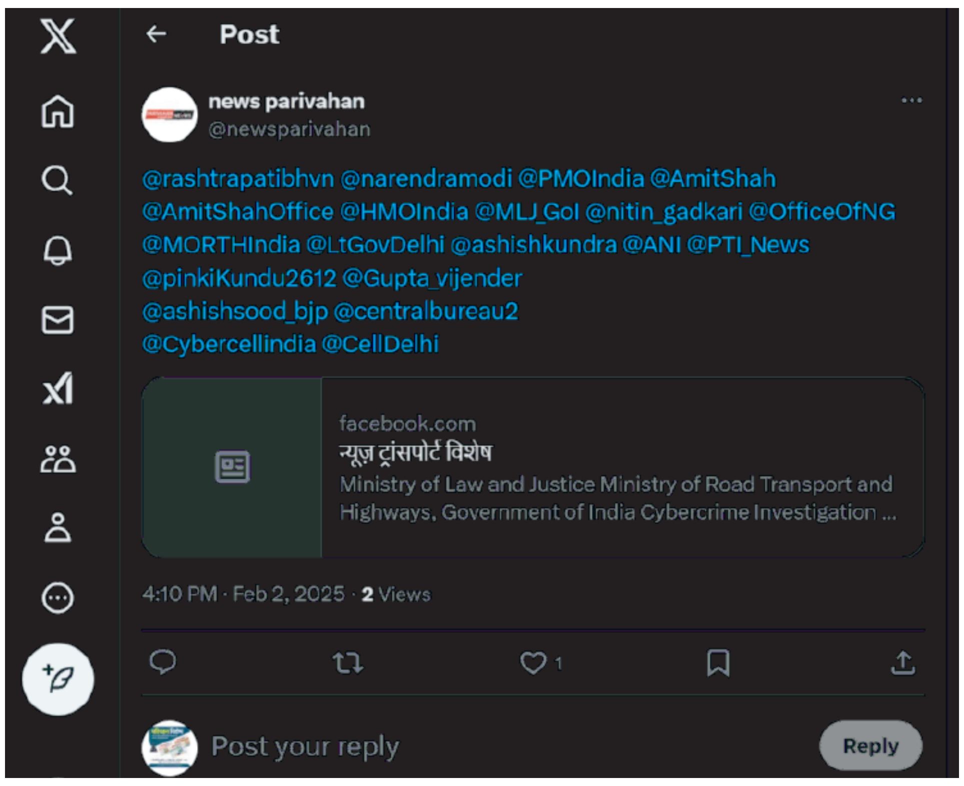

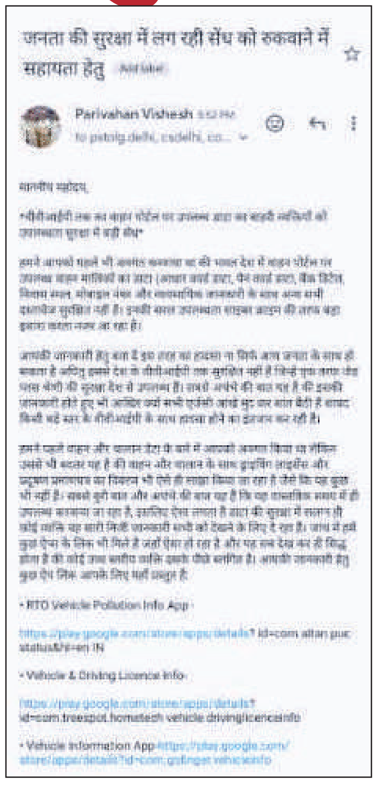

* **RTO Vehicle Pollution Info App -** https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aitan.puc status&hl=en IN

* Vehicle & Driving Licence Info- https://play.google.com/store/apps/details? id=com.treespot.hometech vehicle drivinglicenceinfo

* Vehicle Information App- https://play.google.com/store/apps/details?id =com.gofinger.vehicleinfo

* Vehicleinfo - Bharat RTO App- https://play.google.com/store/apps/details? id=com.vehicle.rto.vahan.status.information. register

Cars 24- https://play.google.com/store/apps/details?id =com.cars24.seller

* Park plus- https://play.google.com/store/apps/details?id =com.ovunque.parkwheels

Bike Info - https://play.google.com/store/apps/details?id =com cuvora.carinfo.rto.bikeinfo

RTO Vehicle Info-car & Bike- https://play.google.com/store/apps/details? id=com.trafficinfo.rtovehicleinfo

*RTO Vehicle Info App & Challan - https://play.google.com/store/apps/details ?(d=com.dualapps,trendingapps.vahariinfo

* RTO Vehicle Information - https://play.google.com/store/apps/details?id = c o m . vehicleregistrationdetails.rtovehicleinformation. drivinglicenceapplyonline

* Vehicle Information App- https://play.google.com/store/apps/details?id =rto. owner address parivahan.car.malik.address.finder

इन ऐप्स द्वारा ट्रांसपोर्ट सर्वर से प्राप्त ओटीपी/एसएमएस का उपयोग किया जा रहा है, जो उपयोग के आधार पर लाखों में हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है

वाहन मालिकों के डेटा की सुरक्षा की जिम्मेदारी MORTH (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय) और NIC (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र) विभाग की है। जिस तरह से वाहनों का डेटा बाजार में मोबाइल ऐप पर आसानी से उपलब्ध है, वह NIC के वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हो सकता। ऐसा इसलिए क्योंकि परिवहन विभाग का सॉफ्टवेयर NIC ने ही बनाया है और डेटा सर्वर भी NIC के नियंत्रण में है। तो बिना NIC अधिकारियों की संलिप्तता के यह डेटा कैसे लीक हो सकता है?

आज, किसी भी नए पंजीकृत वाहन का डेटा उसी दिन मोबाइल ऐप पर उपलब्ध हो जाता है यह दर्शाता है कि किसी लाइव विधि का उपयोग किया जा रहा है, जैसे कि डेटा को API के माध्यम से साझा किया जा रहा है।

इस तरह के व्यापक डेटा लीक होने वाले खतरों का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। कोई भी वरिष्ठ अधिकारी, कोई भी महिला और कोई भी स्कूल या कॉलेज जाने वाली लड़की सुरक्षित नहीं है। आप किसी स्कूटर का नंबर देखकर उसका पूरा नाम, पता और मोबाइल नंबर जान सकते हैं, जिससे पता चलता है कि यह स्थिति कितनी खतरनाक हो सकती है।

लेकिन इन बड़े घोटालों के पीछे कौन है?

मुझे लगा कि लोगों को यह जानना ज़रूरी है क्योंकि यह वाकई ख़तरनाक हो सकता है। अगर कोई किसी को नुकसान पहुँचाना चाहता है, तो यह डेटा उसे बहुत आसान बना देता है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा होना चाहिए, और शायद आप इस जानकारी को जानने के बाद अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहेंगे और अन्य लोगों तक पहुँचाकर उन्हें भी मदद कर सकते हैं। क्योंकि सरकारी सुरक्षा एजेंसी तो इतने बड़े साइबर क्राइम को करने/ करवाने वाले को ढूंढने से रही जब तक किसी जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त वीवीआईपी के साथ कोई हादसा ना घटित हो जायेगा।

आपकी जानकारी हेतु बता दें जांच में यह भी सामने आया है की इन ऐप्स का इस्तेमाल दिल्ली दंगों के दौरान वाहन मालिक के धर्म के आधार पर वाहनों को आग लगाने के लिए भी किया गया था-

https://newsmeter.in/is-govts-vahan-responsible-for-torched-vehicles-of-muslims in-delhi/

दिल्ली में अगले साल तक शुरू होंगे 44 नए मेट्रो स्टेशन, जानें इन सभी के नाम और जानकारी

दिल्ली मेट्रो, जो दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद को जोड़ती है, समूचे NCR क्षेत्र की लाइफलाइन बन चुकी है. यह न केवल यात्रा को सुविधाजनक बनाती है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी एक बेहतर विकल्प है.

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के फेज-4 पर तेजी से काम चल रहा है, जो कि साल 2026 तक 44 नए स्टेशन जोड़ने का लक्ष्य रखता है. इन नए स्टेशनों के जुड़ने से मेट्रो की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और दिल्ली-एनसीआर के करोड़ों यात्रियों को लाभ पहुंचेगा. यह विस्तार दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क को और भी मजबूत करेगा और यातायात की भीड़ को कम करने में मदद करेगा.

दिल्ली मेट्रो का नेटवर्क वर्तमान में 12 कॉरिडोर में फैला हुआ है, जिसमें 289 स्टेशन हैं. वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, जनकपुरी वेस्ट से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन तक की मेट्रो लाइन पहले से चालू है. इसके अलावा, 2026 तक नए खंडों को जोड़ा जाएगा, जिसमें मजेंटा लाइन का 2.8 किमी का एक्सटेंशन भी शामिल है.

फेज-4 के तहत दिल्ली मेट्रो के एक्सपेंशन का मुख्य फोकस तीन प्रमुख कॉरिडोर पर है. पहला, मौजपुर से मजलिस पार्क कॉरिडोर, जो 12.318 किमी लंबा है, जिसमें 8 नए स्टेशन शामिल हैं. इनमें यमुना विहार, भजनपुरा, और बुराड़ी जैसे स्टेशन शामिल हैं. दूसरा कॉरिडोर कृष्णा पार्क एक्सटेंशन से रामकृष्ण आश्रम मार्ग है, जो 26.462 किमी लंबा है और इसमें 21 नए स्टेशन शामिल हैं. इन स्टेशनों के नामों में केशोपुर, पश्चिम विहार और अशोक विहार शामिल हैं. तीसरा कॉरिडोर दिल्ली एयरो सिटी से तुगलकाबाद है, जिसमें 15 नए स्टेशन बनाए जाएंगे, जैसे वसंत कुंज और छतरपुर.

दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के एक्सपेंशन से सार्वजनिक परिवहन के इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. इससे सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और यात्रियों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी में आसानी होगी. नए स्टेशनों के जुड़ने से विभिन्न इलाकों के लोग मेट्रो के सफर का लाभ उठा सकेंगे.

दिल्ली मेट्रो का यह विस्तार न केवल यात्रा को आसान बनाएगा बल्कि पर्यावरण के लिए भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा. मेट्रो के माध्यम से यात्रा करने से कारों और अन्य वाहनों की संख्या में कमी आएगी, जिससे प्रदूषण में भी कमी आएगी. इस प्रकार, दिल्ली मेट्रो का फेज-4 एक मील का पत्थर साबित होगा, जो एनसीआर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

रैपिड रेल प्रोजेक्ट 2918 करोड़ रुपये से भरेगा कुलांचे मेट्रो को फंड के लिए लगानी होगी टकटकी

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय बजट 2025-26 में RRTS को 2,918 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जबकि DMRC के लिए अलग से बजट नहीं दिया गया है। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ RRTS कॉरिडोर का 55 किमी हिस्सा चालू हो चुका है। DMRC के फेज-IV में तीन नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जो 2025-26 तक पूरे होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली: केंद्रीय बजट 2025-26 में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) कॉरिडोर और दिल्ली मेट्रो के लिए फंड की घोषणा हुई है। RRTS को 2,918 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि पिछले साल 3,596 करोड़ रुपये मिले थे। हालांकि, संशोधित बजट में यह राशि बढ़कर 3,855 करोड़ रुपये हो गई थी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) को अलग से फंड नहीं मिला है। सरकार अब सभी मेट्रो परियोजनाओं के लिए एकमुश्त बजट देती है।

विकसित दिल्ली मोदी की गारंटी

DMRC अपनी जरूरत के हिसाब से आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से फंड मांगेगा। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ RRTS कॉरिडोर का 55 किलोमीटर हिस्सा चालू हो गया है। दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ दक्षिण स्टेशन तक सिर्फ 40 मिनट में पहुँचा जा सकता है। तीसरा स्टेशन, सराय काले खां, जून तक तैयार हो सकता है। DMRC के फेज-IV विस्तार में 3 नए कॉरिडोर बन रहे हैं। केंद्रीय बजट 2025-26 में देश के पहले RRTS, दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर, के लिए 2,918 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह परियोजना 2025 के मध्य तक पूरी होने की उम्मीद है।

पिछले साल के बजट में RRTS के लिए 3,596 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो संशोधित बजट में बढ़कर 3,855 करोड़ रुपये हो गए थे। इस साल आवंटन कम है क्योंकि परियोजना लगभग पूरी होने वाली है। NCRTC, जो इस कॉरिडोर का निर्माण कर रही है, अपनी जरूरत के हिसाब से फंड का इस्तेमाल करेगी।

DMRC को इस बजट में अलग से कोई फंड नहीं मिला है। पिछले कुछ सालों से, वित्त मंत्रालय सभी मेट्रो परियोजनाओं के लिए एकमुश्त बजट देता आ रहा है, न कि हर एक को अलग से। सूत्रों के अनुसार, 'पिछले कुछ वर्षों से, केंद्रीय वित्त मंत्रालय प्रत्येक उपक्रम को अलग से देने के बजाय भारत में सभी मेट्रो परियोजनाओं के लिए कुल मिलाकर बजट प्रदान कर रहा है।' DMRC अपनी जरूरत के हिसाब से आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से फंड मांगेगा।

RRTS कॉरिडोर का 55 किलोमीटर हिस्सा चालू

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ RRTS कॉरिडोर का 55 किलोमीटर हिस्सा पहले ही चालू हो चुका है। यात्री दिल्ली के न्यू अशोक नगर से साउथ मेरठ स्टेशन तक सिर्फ 40 मिनट में पहुंच सकते हैं। दिल्ली में दो स्टेशन, न्यू अशोक नगर और आनंद विहार, पहले से ही चालू हैं। तीसरा स्टेशन, सराय काले खां, जून 2025 तक तैयार हो जाएगा। 82 किलोमीटर लंबा दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ 'नमो भारत' कॉरिडोर सराय काले खां से शुरू होकर मेरठ के मोदीपुरम तक जाता है। इसमें 16 'नमो भारत' स्टेशन हैं और मेरठ मेट्रो के लिए 9 अतिरिक्त स्टेशन भी हैं।

डीएमआरसी 3 नए कॉरिडोर का बना रहा है

DMRC के फेज-IV विस्तार में 65 किलोमीटर के 3 नए कॉरिडोर बन रहे हैं: जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम, मजलिस पार्क से मौजपुर, और एयरोसिटी से तुगलकाबाद। 12.3 किलोमीटर लंबा मजलिस पार्क से मौजपुर कॉरिडोर (पिंक लाइन का विस्तार) 2025 तक पूरा हो जाएगा। 23.6 किलोमीटर लंबा एयरोसिटी से तुगलकाबाद कॉरिडोर (गोल्डन लाइन) और 29.262 किलोमीटर लंबा जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम कॉरिडोर (मैजेंटा लाइन का विस्तार) 2026 तक पूरे हो जाएंगे।

कनेक्टिविटी और बेहतर होगी

2024 में तीन और नए कॉरिडोर को मंजूरी मिली थी। मार्च में लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक और इंदरलोक से इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर (गोल्डन और ग्रीन लाइन का विस्तार) को मंजूरी मिली। पिछले साल दिसंबर में रिठाला-नरेला-कुंडली कॉरिडोर (रेड लाइन का विस्तार) को मंजूरी मिली। यह कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो का पहला ऐसा कॉरिडोर होगा जो दिल्ली होते हुए हरियाणा और उत्तर प्रदेश को जोड़ेगा। यह नया कॉरिडोर रेड लाइन का विस्तार होगा, जो गाजियाबाद तक जाती है और मध्य और पूर्वी दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थानों को कवर करती है।

मृगशिरा नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपाय

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक(इंजी .)

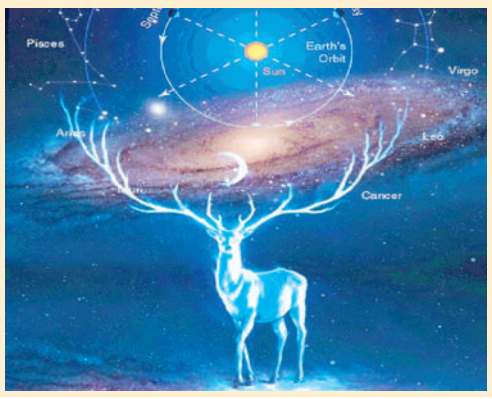

आकाश के नक्षत्र मंडल में हिरण के सिर के आकार में दिखने वाला मृगशिरा नक्षत्र सभी 27 नक्षत्रों में अपना पांचवा स्थान रखता है। मृगशिरा शब्द का तात्पर्य हिरण के सिर से है। इस नक्षत्र के देवता चंद्रमा तथा नक्षत्र स्वामी मंगल हैं। मृगशिरा नक्षत्र का संबंध माता पार्वती से भी है। ऐसा माना जाता है कि माता पार्वती का जन्म मृगशिरा नक्षत्र में ही हुआ था। इसी कारण इसे मां पार्वती का वास स्थान भी माना गया है। इस नक्षत्र को महर्षि पुलस्त्य का वंशज भी माना जाता है।

स्वभाव : मृगशिरा नक्षत्र में जन्मे जातक आध्यात्मिक, सौम्य, हंसमुख, मिलनसार, विनम्र, शिष्ट तथा जिज्ञासु प्रवृति के होते हैं ।

श्री वराहमिहिर के अनुसार इस नक्षत्र में जन्मा जातक धनी, बुद्धिमान, चंचल, हठी, चतुर, भोगविलास प्रिय तथा उत्साही होता है।

कैरियर : मृगशिरा नक्षत्र में जन्मा जातक प्रसिद्ध गायक, कवि संगीतज्ञ, लेखक तथा उपन्यासकार होता है। इसके अलावा ठेकेदारी, रिसर्च के क्षेत्र में, वैज्ञानिक, क्लर्क, खगोलशास्त्री, व्यापार प्रबंधक, संवाददाता, पशुपालन और कृषि आदि के कैरियर का चुनाव करके सफलता प्राप्त करता है।

रोग : मृगशिरा नक्षत्र में जन्मे जातकों को पित सम्बन्धित रोग इसके अलावा जुखाम, खांसी, गुप्तरोग, कब्ज, मुहांसा, खुजली, कमर दर्द तथा कंधों में दर्द इत्यादि समस्याएं हो सकती है।

उपाय: मृगशिरा का संबंध मां पार्वती से है इसलिए इस नक्षत्र में जन्मे जातकों के लिए मां पार्वती की उपासना अत्यंत लाभप्रद होती है। खैर का वृक्षारोपण करने से जीवन में उन्नति, धन लाभ तथा मानसमान में वृद्धि होती है। इस नक्षत्र के जातकों को भाग्य वृद्धि हेतु लाल, सफेद, गुलाबी तथा हल्के हरे रंग का प्रयोग करना चाहिए।

विटामिन बी 12 गुड बैक्टीरिया और एंटी ऑक्सीडेंट का महानतम स्त्रोत पारंपरिक भारतीय पेय

कांजी को आयुर्वेद में एक चमत्कारी पेय भी कहा जाता है जो आपके शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाती है। यह एक फर्मेंटेड ड्रिंक होती है जिसे पानी काली गाजर चुकंदर राई या पीली सरसों आंवला हल्दी और काली मिर्च के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है।

एक कांच के जार को गरम पानी से धो कर सुखा कर लीजिए. इसमें कटी हुई 4 गाजर, 2आंवला हल्दी

1 बड़ा चकुंदर डालें

50ग्राम कच्ची हल्दी के टुकड़े

1 छोटी चम्मच सादा नमक,

2 छोटी चम्मच काला नमक,

½ छोटी चम्मच दरदरी कुटी काली मिर्च,

1 पिंच हींग और

2 बड़े चम्मच दरदरी कुटी राई या पीली सरसों डालिए.

अब इन्हें अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें उबालकर ठंडा हुआ हुआ पानी डाल कर अच्छे से मिला कर सूती कपड़े से ढाक दीजिए.

इसे ढाक कर 3 से 4 दिन तक धूप में रखिए और शाम में अंदर रख लीजिए. अगर धूप ना हो तो रसोई में किसी गरम जगह रखिए. चौथे दिन इसे खोल कर मिला कर परोसें, इस तरह ये बनकर तैयार हो जाएगा.

सुबह एक गिलास खाली पेट पिएं कांजी पीने से इम्यूनिटी मज़बूत होती है। इसमें घुलनशील फ़ाइबर होता है , जो पाचन के लिए फ़ायदेमंद होता है क्योंकि वो गुड बैक्टीरिया का भोजन होता है। कांजी में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंतों के लिए बेहद फ़ायदेमंद होते हैं.

एनर्जी का स्तर बढ़ता है. सूजन कम होती है। वज़न नियंत्रण में रहता है। मेटाबॉलिक रेट बढ़ती है। आंखों की कमज़ोरी दूर होती है। गाजर बीटा कैरोटीन और विटामिन-ए, सी, के और जिंक से भरपूर होता है। वहीं चुकंदर एंटी ऑक्सीडेंट और विटामिन-सी से भरपूर होता है। इससे बनने वाली कांजी पोषक तत्वों का खजाना है। एंटीऑक्सीडेंट शरीर में मुक्त कणों (फ्री रेडिकल्स) को निष्क्रिय करने, ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है

#गुड_बैक्टीरिया #प्री_बायोटिक #प्रोबायोटिक्स #स्ट्रेस #डिप्रेशन #एंजायटी #इम्युनिटी #ऑटोइम्यून

हमारे शरीर की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है बैक्टीरिया जो हमारे शरीर की रक्षा प्रणाली विकास और पुनर्निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण साधन हैं

क्या आप जानते हैं कि आपके शरीर के अंदर विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया रहते हैं? माना जाता है की बैक्टीरिया बीमारी पैदा करते हैं, लेकिन उनमें से सभी हानिकारक नहीं होते हैं, सच तो यह है की उनमें से ज्यादातर कुछ नुकसान नहीं पहुंचाते हैं और जीवन के लिए आवश्यक हैं। 5,000 से ज्यादा प्रकार के बैक्टीरिया पेट-आंत में पाए जाते हैं। इनमें से कुछ मित्र होते हैं व कुछ शत्रु। ज्यादातर लोगों को लगता है कि बैक्टीरिया माने बीमारी। और वे उन्हें परास्त करने की अंधाधुंध लड़ाई का हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन बाद हमें पता चला कि सारे बैक्टीरिया हमारे शत्रु नहीं होते हैं। कुछ अच्छे बैक्टीरिया भी हैं जो हमारे शरीर में एक मित्र की तरह मौजूद हैं। यह कई तरह के घातक हमलों से हमारी रक्षा करने की क्षमता रखते हैं।

कुछ बैक्टीरियाज ऐसे होते हैं जो हमारी सेहत की रक्षा करने के लिए दवाओं तक से लड़ जाते हैं पर हम उनके बारे में जान ही नहीं पाते और उनका अंधाधुंध कत्ल करते रहते हैं। ये उन बीमारियों से भी शरीर की रक्षा करने में सक्षम है जिनपर एंटीबायोटिक दवाएं बेअसर हो चुकी हैं

यह विश्वास करना मुश्किल हो सकता है लेकिन वास्तव में 100 ट्रिलियन बैक्टीरिया हमारे शरीर में होते हैं, जिनमें से अधिकांश आंत में पाए जाते हैं। उन्हें आँतों के फूल कहा जाता है और इसका वजन लगभग 600ग्राम से 1.5किलोग्राम होता है जितना हमारे लिवर का वजन है। वैज्ञानिक उन्हें "Forgotten Organ" कहते हैं क्योंकि वे हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं, हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं और हमारे शरीर को आकार देते हैं।

आपको पता होना चाहिए कि हम बैक्टीरिया के बिना नहीं रह सकते- ये वे हैं जो भोजन के पाचन में और हमारी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं ताकि हम infection से लड़ सकें और आराम से रह सकें। वे कई मायनों में हमारे Health Heroes हैं

अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को विकसित करने के लिए हमें बैक्टीरिया की आवश्यकता होती है; विशेष रूप से हमारी आंत में जिसमें हमारे शरीर की लगभग 70% प्रतिरोधक क्षमता होती है। ये बैक्टीरिया रोगों की गंभीरता को कम करने वाली हमारी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पाचन तंत्र में बैक्टीरिया पोषक तत्वों को शोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें हमारे शरीर पचा नहीं पाते हैं। आप यह जानकर हैरान होंगे की खाने से लगभग 30% calories हमारे आंत के बैक्टीरिया की मदद से मिलते हैं। हमारी आंतों की दीवाऱों को सुरक्षित रखने रिपेयर करने में सबसे बड़ा दायित्व यही सूक्ष्म यौद्धा व श्रमिक निभाते हैं जिससे हमारी रक्तवाहिकाओं में प्रदूषित रक्त का प्रवाह रूकता है

कोई भी अल्सर या कैंसर शरीर में तभी पनपता है खासकर आंतों और लीवर में जब आपकी आंतों में ये सूक्ष्म योद्धा कमजोर व संख्या में कम पड़ जाते हैं।

विटामिन बी12 के लिए मांसाहार की आवश्यकता नहीं

कुछ बैक्टीरिया हमारी आँतों में विटामिन्स बना सकते हैं जैसे की विटामिन K और विटामिन बी 12। खाना पकाने से विटामिन B आसानी से नष्ट हो जाता है और हम में से कई इस महत्वपूर्ण विटामिन की कमी से पीड़ित हैं। बैक्टीरिया इसे दूर करने में मदद कर सकते हैं। हमारे मूड को प्रभावित करता है- गुड बैक्टीरिया बायो फर्मेंटेशन से विटामिन बी 12 का निर्माण करता है। क्या कभी आप घबराहट या डर से बीमार पड़े हैं या आपके पेट में हलचल मची है। वैज्ञानिकों के अनुसार हमारे आंत के बैक्टीरिया डोपामाइन और सेरोटोनिन (हमारे आँतों के अच्छे हार्मोन हैं ये) जैसे हार्मोन का उत्पादन करके हमारे मूड को प्रभावित कर सकते हैं जो तनाव और चिंता को कम करते हैं।

ये नन्हे बैक्टीरिया भयंकर से भयंकर डिप्रेशन से बाहर निकाल सकते हैं इसलिए अच्छे बैक्टीरिया को बनाए रखना हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

एक अच्छी तरह से संतुलित आहार लेना, व्यायाम, पर्याप्त नींद, अधिक फाइबर, पानी और प्रोबायोटिक्स, ये सारे जीवन के लिए आवश्यक बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं।

अगर किसी व्यक्ति को हर समय पेट में भारीपन या फूला हुआ महसूस होता है, कब्ज या दिन में दो या ज्यादा बार मल त्याग करना पड़ता है, मुंह की उचित साफ-सफाई के बावजूद भी सांसों से दुर्गंध आती है. इसका मतलब आपकी आंत अस्वस्थ है. वहां बैड बैक्टीरिया या बुरे परजीवी अपना घर बना रहे हैं।

यदि आपका घर ऐसा है तो सतर्क हो जाएं

हमेशा दशा और दिशा की बात हर क्षेत्र में होती है। आपके शरीर की दशा और दिशा भी ठीक होना जरूरी है और घर की भी। शरीर भी आपके घर है और आपका घर जिसमें आप रहते हैं वह आपका बड़ा शरीर है, तो इसे अंदर से ठीक रखना जरूरी है।

घर के अंदर का वास्तु कैसा हो यह जानना जरूरी है। यदि वास्तु खराब है तो प्रगति रुक जाएगी, गृहकलह बढ़ जाएगा, बीमारी पीछे लग जाएगी या शांति और खुशहाली नष्ट हो जाएगी।

दिशा सही नहीं तो दशा भी सही नहीं : वैसे दिशाएं 10 होती हैं, लेकिन एक 11वीं दिशा भी होती है जिसे मध्य में माना जा सकता है अर्थात आप जहां खड़े हैं। ये 11 दिशाएं : ईशान, पूर्व, आग्नेय, दक्षिण, नैऋत्य, पश्चिम, वायव्य और उत्तर। इसके अलावा 3 दिशाएं ऊपर, नीचे और मध्य में।

यदि आपके घर की दिशा पूर्व, आग्नेय, दक्षिण और नैऋत्य में से कोई एक है तो आपको इसके उपाय करने होंगे। पूर्व और अग्नेय मुखी मकान के वास्तुदोष को थोड़े बहुत उपाय करके मिटाया जा सकता है लेकिन यदि दक्षिण और नैऋत्यमुखी मकान है तो उसे त्यागने में ही भलाई है। दक्षिण भाग सीढ़ी, ओवरहेड टंकी, अलमारी आदि से वजनदार बनाए।

यदि आपका मकान पूर्व या आग्नेय में है तो पूर्व-आग्नेय कोण में पूजाघर, पानी का स्थान नहीं होना चाहिए। सीढ़ियों का निर्माण, टॉयलेट, ड्राईंगरूम, स्टोर का निर्माण यहां किया जा सकता है। इसके अलावा इस दिशा में जनरेटर, बिजली का खम्भा या बिजली के मीटर इत्यादि लगाए जा सकते हैं।

जिस घर का खराब है मध्य भाग : घर की दिशाओं में सबसे आखिरी और बेहद महत्वपूर्ण दिशा है घर की मध्य दिशा। यह दिशा घर के बिलकुल बीचोबीच होने के कारण घर की हर दिशा से जुड़ी होती है इसीलिए किसी भी दिशा का नकारात्मक प्रभाव इस दिशा पर होना आम बात है। मध्य भाग खराब है तो ब्रह्मा का यह स्थान केतु का स्थान बन जाता है

बहुत से घरों में देखा गया है कि बीच में गड्ढा होता है। हो सकता है कि घर के बीचोबीच कोई खंभा गड़ा हो, टॉयलेट या वॉशरूम बना हो या किसी भी प्रकार का भारी सामान रखा हो। अक्सर लोग यदि 15 बाई 50 या 20 बाई 60 का मकान है, तो उसके बीचोबीच लेट-बाथ बना लेते हैं। इस स्थान पर भारी सामान रखना या निर्माण कार्य करना भी गलत है। यह स्थान ईशान की तरह खाली होना चाहिए।

ऐसे घरों में कुछ न कुछ घटनाक्रम चलते ही रहते हैं। बीमारी, दुख पीछे लगे ही रहते हैं या घर के सदस्यों के दिमाग में शांति नहीं रहती है। परेशानियों से घिरे रहने वाले इस घर के मध्यभाग को ठीक कर देने से सभी ठीक होने लगता है। इससे घर-परिवार में सहजता और सृजनात्मक गतिविधियों का ह्रास होता है। घर में ऐसा हो तो परिवार में सुख-शांति घटती है। रहने वालों के बीच दूरियां बढ़ती हैं। संबंधों में गरमाहट कम होती है।

घर की छत : घर की छत पर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते हैं। घर की छत कैसी हो यह जानना जरूरी है। घर की छत साफ-सुधरी होना जरूरी है।

- घर की छत में किसी भी प्रकार का उजालदान न हो। जैसे आजकल घर की छत में लोग दो-बाइ-दो का एक हिस्सा खाली छोड़ देते हैं उजाले के लिए। इससे घर में हमेशा हवा का दबाव बना रहेगा, जो सेहत और मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालेगा।
- तिरछी छत बनाने से बचें- छत के निर्माण में इस बात का ध्यान रखें कि वह तिरछी डिजाइन वाली न हों। इससे डिप्रेशन और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं।
- घर की छत की ऊंचाई भी वास्तु अनुसार होना चाहिए।। यदि ऊंचाई 8.5 फुट से कम होती है तो यह आपके लिए कई तरह की समस्याएं लेकर आती है और जीवन में आगे बढ़ना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा है। घर यदि छोटा है तो छत की ऊंचाई कम से कम 10 से 12 फुट तक होनी चाहिए। इससे ज्यादा ऊंची रखने के लिए वास्तुशास्त्री से संपर्क करना चाहिए।
- घर की छत पर किसी भी प्रकार की गंदगी न करें। यहां किसी भी प्रकार के बांस या फालतू सामान भी न रखें। जिन लोगों के घरों की छत पर अनुपयोगी सामान रखा होता है, वहां नकारात्मक शक्तियां अधिक सक्रिय रहती हैं। उस घर में रहने वाले लोगों के विचार नकारात्मक होते हैं। परिवार में भी मनमुटाव की स्थितियां निर्मित होती हैं।
- घर की छत पर रखा पानी का टैंक किस दिशा में हो, यह जानना जरूरी है। उत्तर-पूर्व दिशा पानी का टैंक रखने के लिए उचित नहीं है, इससे तनाव बढ़ता है और पढ़ने-लिखने में बच्चों का मन नहीं लगता है। दक्षिण-पूर्व दिशा अग्नि की दिशा है इसलिए भी इसे पानी का टैंक लगाने के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता है। अग्नि और पानी का मेल होने से गंभीर वास्तुदोष उत्पन्न होता है। वास्तु विज्ञान के अनुसार दक्षिण-पश्चिम यानी नैऋत्य कोण अन्य दिशा से ऊंचा और भारी होना शुभ फलदायी होता है।

आम बजट की बड़ी बातें

1. LED, LCD टीवी के दाम सस्ते होंगे
2. 82 सामानों से सेस हटाया गया, EV बैटरी पर छूट मिलेगी
3. चमड़े के सामान सस्ते होंगे, आयात शुल्क हटाया गया
4. इलेक्ट्रिक गाड़ियां सस्ती होंगी.
5. PPP मॉडल पर शहरों का विकास होगा.
6. भारत में बने कपड़े सस्ते होंगे.
7. इनकम टैक्स बिल में दंड की जगह न्याय पर जोर
8. समुद्री उत्पाद पर कस्टम ड्यूटी 30 से घटाकर 5 फीसदी'
9. वरिष्ठ नागरिकों को इनकम टैक्स में छूट
10. टैक्स डिडक्शन में बुजुर्गों के लिए एलान
11. 4 साल तक अपडेटेड रिटर्न भर सकेंगे
12. वरिष्ठ नागरिकों के लिए टैक्स छूट दोगुना
13. वरिष्ठ नागरिकों के लिए टैक्स छूट 1 लाख।
14. TDS की सीमा बढ़ाकर 10 लाख की गई
15. TCS की सीमा 7 लाख से 10 लाख की गई
16. विदेश से आने वाले पैसों में टैक्स छूट बढ़ी
17. IT फाइल करने की सीमा 2 से 4 साल की गई।
18. इनकम टैक्स के नियमों में बदलाव होगा।
19. 36 जीवन रक्षक दवाओं पर कस्टम ड्यूटी की छूट दी जाएगी
20. 6 जीवन रक्षक दवाओं पर 5% कस्टम ड्यूटी।
21. कैंसर से जुड़ी दवाएं, मेडिकल उपकरण सस्ते होंगे।
22. अगले हफ्ते नया इनकम टैक्स बिल लाएंगे।
23. 7 फरवरी को नया इनकम टैक्स बिल लाएंगे।
24. बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी FDI
25. 50 पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा.
26. पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए लोन स्कीम.
27. शहरी विकास के लिए 1 लाख करोड़ का फंड।
28. किसानों के लिए यूरिया फैक्ट्री लगाई जाएगी।
29. 120 नई जगहों के लिए उड़ान स्कीम
30. देश में IIT संस्थानों की संख्या बढ़ाई जाएगी।
31. राज्यों को 1.5 लाख करोड़ का लोन देंगे।
32. राज्यों में खनन सूचकांक की स्थापना होगी।
33. 1 लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड दिया है।
34. 20 हजार करोड़ का परमाणु ऊर्जा मिशन।
35. '2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य'।
36. मेडिकल कॉलेज में 10000 सीटें बढ़ाई जाएंगी.
37. देश में 3 AI एक्सीलेंस सेंटर का निर्माण होगा.
38. AI एजुकेशन के लिए 500 करोड़ का प्रावधान।
39. सरकारी स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र ब्रॉडबैंड से जुड़ेंगे
40. IIT में 6500 सीटें और बढ़ाई जाएंगी।
41. स्टार्टअप के लिए 10 हजार करोड़ का प्रावधान
42. स्टार्टअप के लिए लोन गारंटी कम करेंगे।
43. खिलौनों के लिए राष्ट्रीय योजना बनाई जाएगी।
44. किसान क्रेडिट कार्ड से अब 5 लाख तक लोन।
45. MSME के लिए लोन 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़।
46. 12 लाख तक इनकम टैक्स फ्री
47. 12 लाख की आय पर टैक्स नहीं लगेगा
48. बजट में इनकम टैक्स पर बहुत बड़ा एलान।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

अखाड़ा शब्द का क्या अर्थ है और अखाड़े कितने प्रकार है ?

क्या होते हैं अखाड़े ? कुंभ में अखाड़ों का विशेष महत्व होता है. अखाड़े शब्द की शुरुआत मुगलकाल के दौर से हुई. अखाड़ा साधुओं का वह दल होता है, जो शस्त्र विद्या में भी पारंगत रहता है।।

क्या होती है पेशवाई जब कुंभ में नाचते-गाते धूमधाम से अखाड़े जाते हैं, तो उसे पेशवाई कहते हैं. कहा जाता है कि शंकराचार्य ने आठवीं सदी में 13 अखाड़े बनाए थे. तब से वही अखाड़े बने हुए थे. लेकिन इस बार एक और अखाड़ा जुड़ गया है, जिस कारण इस बार कुंभ में 14 अखाड़ों की पेशवाई देखने की मिलेगी।।

आइए जानें इन 14 अखाड़ों के बारे में

1. अटल अखाड़ा- इनके ईष्ट देव भगवान गणेश हैं. इस अखाड़े में केवल ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य दीक्षा ले सकते हैं और कोई अन्य इस अखाड़े में नहीं आ सकता है. यह सबसे प्राचीन अखाड़ों में से एक माना जाता है।।

2. अवाहन अखाड़ा- इनके ईष्ट देव श्री दत्तात्रेय और श्री गजानन दोनो हैं. इस अखाड़े का केंद्र स्थान काशी है।।

3. निरंजनी अखाड़ा- यह अखाड़ा सबसे ज्यादा शिक्षित अखाड़ा है. इस अखाड़े में करीब 50 महामंडलेश्र्चर हैं. इनके ईष्ट देव भगवान शंकर के पुत्र कार्तिक हैं. इस अखाड़े की स्थापना 826 ईसवी में हुई थी।

4. पंचाग्नि अखाड़ा – इस अखाड़े में केवल ब्रह्मचारी ब्राह्मण ही दीक्षा ले सकते है. इनकी इष्ट देव गायत्री हैं और इनका प्रधान केंद्र काशी है.

5. महानिर्वाण अखाड़ा- महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की पूजा का जिम्मा इसी अखाड़े के पास है. इनके ईष्ट देव कपिल महामुनि हैं. इनकी स्थापना 671 ईसवी में हुई थी।।

6. आनंद अखाड़ा- इस अखाड़े की स्थापना 855 ईसवी में हुई थी. इस अखाड़े के आचार्य का पद ही प्रमुख होता है. इसका केंद्र वाराणसी है।।

7. निर्मोही अखाड़ा- वैष्णव संप्रदाय के तीनों अणि अखाड़ों में से इसी में सबसे ज्यादा अखाड़े शामिल हैं. इस अखाड़े की स्थापना पूज्य रामानंदाचार्य जी ने 1720 में की थी. इस अखाड़े के मंदिर उत्तर प्रदेश, मध्या प्रदेश, गुजरात, बिहार, राजस्थान आदि जगहों पर स्थित हैं।

8. बड़ा उदासीन पंचायती अखाड़ा इस अखाड़े की शुरुआत 1910 में हुई थी. इस अखाड़े के संस्थापक पूज्य श्रीचंद्रआचार्य उदासीन हैं. इस अखाड़े उद्देश्य सेवा करना है.

9. नया उदासीन अखाड़ा- इस अखाड़े की शुरुआत 1710 में हुई थी. मान्यता है कि इस अखाड़े को बड़ा उदासीन अखाड़े के साधुओं ने बनाया था.

10. निर्मल अखाड़ा- इस अखाड़े की स्थापना पूज्य दुर्गासिंह महाराज ने की थी, जिनके ईष्टदेव पुस्तक श्री गुरुग्रंथ साहिब हैं. कहा जाता है कि इस अखाड़े के लोगों को दूसरे अखाड़ों की तरह धूम्रपान करने की इजाजत नहीं है।।

11. वैष्णव अखाड़ा – इस अखाड़े की स्थापना मध्यमुरारी द्वारा की गई थी.

12. नागपंथी गोरखनाथ अखाड़ा इस अखाड़े की स्थापना 866 ईसवी में हुई, जिसके संस्थापक पूज्य पीर शिवनाथ जी हैं।

13. जूना अखाड़ा इस अखाड़े के ईष्टदेव रुद्रावतार दत्तात्रेय हैं. हरिद्वार में इस अखाड़े का आश्रम है. इस अखाड़े के पीठाधीश्वर पूज्य स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज हैं.

14. किन्नर अखाड़ा- अभी तक कुंभ में 13 अखाड़ों की पेशवाई होती थी, लेकिन इस बार कुंभ में किन्नर अखाड़ा भी शामिल हो चुका है. इस अखाड़े की महामंडलेश्वर पूज्य लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी जी हैं।

वसंत पंचमी और सरस्वती पूजा: हिंदू शास्त्रों में वर्णित ज्ञान, साधना और प्रकृति का उत्सव

वसंत पंचमी भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है, जिसे सरस्वती पूजा के रूप में भी मनाया जाता है। यह दिन विद्या, ज्ञान, वाणी और संगीत की देवी माँ सरस्वती की आराधना के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

हिंदू शास्त्रों में वसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का उल्लेख मिलता है, जिसमें इस दिन सारस्वत्य मंत्र जप का विशेष महत्व बताया गया है। साथ ही, यह दिन प्राकृतिक परिवर्तन और ऋतु संधि का भी प्रतीक है। इस लेख में हम हिंदू शास्त्रों के संदर्भ सहित इस पर्व के महत्व को विस्तार से समझेंगे।

वसंत पंचमी का हिंदू शास्त्रों में महत्व

पुराणों में वसंत पंचमी

स्कंद पुराण और मदन रत्न ग्रंथों में वसंत पंचमी को ऋतुओं का उत्सव कहा गया है। इस दिन को "श्री पंचमी" और "सरस्वती जयंती" भी कहा जाता है।

स्कंद पुराण में कहा गया है:

"वाग्देवी च सदा पूज्या ब्राह्मणैः शुभकर्मसु।
विशेषेणैव पूज्यन्ते वसन्ते शुक्लपञ्चम्याम्॥"

अर्थात, वसंत पंचमी के दिन माँ सरस्वती की विशेष रूप से पूजा करनी चाहिए, क्योंकि यह दिन विद्या और वाणी की सिद्धि का शुभ अवसर है।

सरस्वती पूजन का वेदों में उल्लेख

ऋग्वेद में माँ सरस्वती को ज्ञान, वाणी और बुद्धि की देवी बताया गया है:

"या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥"

माँ सरस्वती के स्वरूप का यह वर्णन वेदों और उपनिषदों में भी मिलता है, जिससे इस पर्व की पवित्रता सिद्ध होती है।

भगवद्गीता में ज्ञान और सरस्वती का महत्व

भगवान श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता (अध्याय 10, श्लोक 34) में कहा है:

"बृहत्साम तथा साम्नां गायत्री छन्दसामहम्।
मासानां मार्गशीर्षोऽहमृतूनां कुसुमाकरः॥"

इस श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं को ऋतुओं में वसंत बताया है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि वसंत पंचमी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन और प्रकृति के नवजीवन का भी प्रतीक है।

सरस्वती पूजा का हिंदू शास्त्रों में वर्णन

सरस्वती स्तोत्र (पद्म पुराण)

सरस्वती पूजा के महत्व को दर्शाने वाले पद्म पुराण में कहा गया है:

"सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि।
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा॥"

अर्थात, विद्यारंभ करने से पहले माँ सरस्वती की उपासना करने से विद्या और बुद्धि में वृद्धि होती है। इसीलिए इस दिन छोटे बच्चों को "अक्षरारंभ" करवाया जाता है।

देवी भागवत महापुराण में सरस्वती की महिमा

देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि निर्माण के लिए माँ सरस्वती को उत्पन्न किया। यह भी कहा गया है कि सरस्वती साधना करने से वाणी, ज्ञान, संगीत और विद्या में सिद्धि प्राप्त होती है।

याज्ञवल्क्य स्मृति में ज्ञान और सरस्वती

इस ग्रंथ में बताया गया है कि जो व्यक्ति सरस्वती मंत्र जप करता है, उसके जीवन में विद्या, वाणी और बुद्धि की दिव्यता आती है।

सारस्वत्य मंत्र जप का हिंदू शास्त्रों में महत्व

वसंत पंचमी के दिन "सारस्वत्य मंत्र" का जप अत्यंत लाभकारी माना गया है।

सारस्वत्य मंत्र (ऋग्वेद)

"ॐ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नमः"

हिंदू शास्त्रों में इस मंत्र के लाभ

बुद्धि का विकास – विद्यार्थियों के लिए यह मंत्र अति प्रभावी है।

वाणी में दिव्यता – इस मंत्र के जाप से वाणी में ओज और प्रभाव बढ़ता है।

विद्या और स्मरण शक्ति – यह मंत्र अध्ययन में सफलता और स्मरण शक्ति को बढ़ाता है।

रचनात्मकता में वृद्धि – कलाकारों और संगीतकारों के लिए यह मंत्र विशेष लाभकारी है।

देवी भागवत पुराण में कहा गया है कि इस मंत्र का कम से कम 108 बार जप करने से व्यक्ति की वाणी और बुद्धि में दिव्यता आती है।

प्राकृतिक परिवर्तन और वसंत पंचमी वसंत पंचमी केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का भी प्रतीक है।

हिंदू शास्त्रों में वसंत ऋतु का वर्णन रामायण में लिखा है:

"कुसुमितवनराजिः शोभिताः पुण्यगन्धैः।
नवजलधरश्यामाः प्रकीर्णाश्च मरुद्गणाः॥"

अर्थात, वसंत ऋतु में वृक्ष फूलों से भर जाते हैं, वातावरण सुगंधित हो जाता है, और प्राकृतिक सुषमा बढ़ जाती है।

ऋग्वेद में कहा गया है कि वसंत ऋतु में सूर्य की किरणें स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती हैं, जिससे मनुष्य के शरीर और मस्तिष्क में स्फूर्ति आती है।

कैसे करें सरस्वती पूजन? सरस्वती पूजा विधि (हिंदू शास्त्रानुसार) प्रातः स्नान कर पीले वस्त्र धारण करें। माँ सरस्वती की प्रतिमा या चित्र को स्वच्छ स्थान पर स्थापित करें।

पीले फूल, हल्दी, अक्षत, सफेद वस्त्र और पुस्तकें अर्पित करें।

सरस्वती मंत्र का जाप करें और भोग अर्पित करें। विद्यार्थी इस दिन कलम, पुस्तक और संगीत वाद्ययंत्र की पूजा करें।

"ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः" मंत्र का जप करें।

निष्कर्ष वसंत पंचमी और सरस्वती पूजा भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर हैं। यह पर्व हमें विद्या, वाणी, ज्ञान और प्रकृति से जुड़ने का संदेश देता है।

हिंदू शास्त्रों में इस दिन का अत्यधिक महत्व बताया गया है और इसे ऋतु परिवर्तन, विद्या और साधना का पर्व माना गया है।

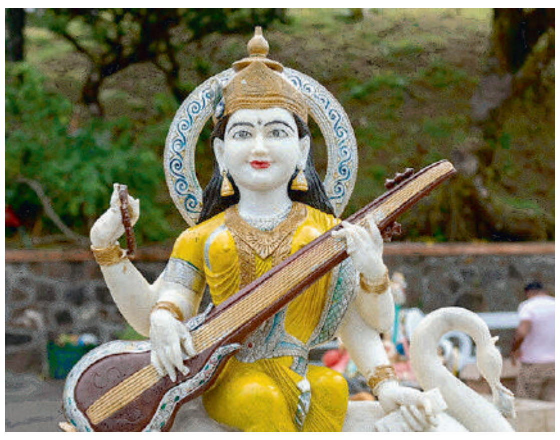

यदि श्रद्धा और विश्वास के साथ सरस्वती पूजन और सारस्वत्य मंत्र का जप किया जाए, तो जीवन में न केवल विद्या और बुद्धि की वृद्धि होती है, बल्कि वाणी में प्रभाव और मन में स्थिरता आती है।

इसलिए, आइए इस पावन वसंत पंचमी पर माँ सरस्वती की आराधना करें और ज्ञान, कला और साधना के इस पर्व को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाएँ।

।। जय माँ सरस्वती ।।

पुलिस पर नजर रखने के लिए पर्यवेक्षक की तैनाती, हिंसा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता पर कार्रवाई और ''आप'' कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की जाए- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, पुलिस पर नजर रखने के लिए पर्यवेक्षक की तैनाती, हिंसा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता पर कार्रवाई और ''आप'' कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की जाए- केजरीवाल*

मुख्य संवाददाता सुषमा रानी

*नई दिल्ली, 02 फरवरी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा है कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में ''आप'' कार्यकर्ताओं को चुनाव से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं और दिल्ली पुलिस द्वारा डराया और परेशान किया जा रहा है। भाजपा के इशारे पर पुलिस हमारे कार्यकर्ताओं को अवैध हिरासत में लेकर उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है, ताकि वो चुनाव प्रचार में भाग न ले सकें। हमें यह डर है कि चुनाव से एक रात पहले और मतदान वाले दिन हमारे काफी कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए उन्हें धमकाया और हिरासत में लिया जा सकता है। इसलिए चुनाव आयोग से हमारी मांग है कि पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए स्वतंत्र चुनाव पर्यवेक्षक तैनात किया जाए, हिंसा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता पर कार्रवाई और ''आप'' कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की जाए। साथ ही, गैर कानूनी और असंवैधानिक तरीके से काम करने वाले पुलिस अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि शनिवार को हमारे वरिष्ठ वालेंटियर चेतन को तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गलत तरीके से हिरासत में लिया और धारा 126 के तहत मामला दर्ज कर दिया। पुलिस ने उन पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए कि उनके खिलाफ पहले से केस दर्ज हैं, जबकि ऐसा कोई मामला नहीं है। उन्हें ऐसे अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया, जो उन्होंने किए ही नहीं थे। पुलिस अधिकारियों ने उनके साथ इतनी बुरी तरह मारपीट की कि वे बेहोश हो गए और उन्हें तुरंत लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाना पड़ा। कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर/एसडीएम के सामने पेश किया गया और जिस मामले में उन्हें साजिशन फंसाया गया था, उस में उनको जमानत दी गई।

अरविंद केजरीवाल ने चिट्ठी में एक अन्य घटना का जिक्र करते हुए कहा है कि हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ता ओम प्रकाश को तिलक मार्ग थाना से फोन आया और कहा गया कि एसएचओ उनसे बात करना चाहते हैं, इसलिए उन्हें थाने आना होगा। जब वे थाने पहुंचे, तो उन्हें गलत तरीके से हिरासत में ले लिया गया और धारा 126 के तहत मामला दर्ज कर दिया गया। पुलिस ने उन पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए कि उनके खिलाफ पहले से केस दर्ज हैं, जबकि ऐसा कोई मामला नहीं है। कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर/एसडीएम के सामने पेश किया गया और जमानत दी गई, जबकि यह साफ था कि उन्हें जानबूझकर फंसाया गया था।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले एक महीने में हमारे कई स्वयंसेवकों को चुनाव प्रचार के दौरान धमकाया गया, हिरासत में लिया गया और यहां तक कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उन पर हमला भी किया गया। भाजपा कार्यकर्ता इतनी हद तक चले गए हैं कि हमारे स्वयंसेवकों के परिवारों को धमकी दे रहे हैं और उनके घर व दुकानों को तबाह करने की धमकी तक दी जा रही है।

*भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा धमकी और हिंसा के कुछ मामले हमारे संज्ञान में आए हैं- *

1. 27 जनवरी की शाम को हमारे कार्यकर्ता सोनम को मुंडका के दबास नाम के एक व्यक्ति से धमकी मिली। यह घटना किदवई नगर (ईस्ट) की झुग्गियों में हुई।

2. हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ता बंटी को बीआर कैंप में एक भाजपा कार्यकर्ता, अनिल सोनी ने धमकी दी। उन्होंने कहा कि बंटी को उठा लिया जाएगा और उस पर झूठे मामले दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद, बंटी को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया और एक दिन तक पुलिस कस्टडी में रखा गया। उनकी रिहाई के लिए आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को दखल देना पड़ा।

3. हमारे कार्यकर्ता राजा को किदवई नगर ईस्ट की झुग्गियों में थप्पड़ मारा गया, जहां सोनम को भी धमकी मिली थी। एक हमलावर ने उसके पर्चे जबरदस्ती छीन लिए, जो काली गाड़ी में बैठे 4-5 अन्य लोगों के साथ था।

4. तुगलक लेन झुग्गियों के हमारे बूथ अध्यक्ष उमेश को धमकी दी गई और कहा गया कि चुनाव के बाद तुझे देख लेंगे, तूने दुश्मनी कर ली है।

5. भाजपा के सदस्य राजू मटियाला ने काली बाड़ी मार्ग स्थित सी-32 झुग्गियों में "आप" के स्वयंसेवकों को धमकी दी।

6. ली-मेरिडियन के पीछे स्थित झुग्गियों में 4-5 भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह ने निवासियों को धमकी दी। उन्होंने उनसे कहा कि ष्अगर तुम्हें किसी "आप" कायकर्ता के साथ देखा, तो हम तुम्हारे हाथ और पैर तोड़ देंगे।

7. बूथ नंबर 73 (टी-हट्स) पर एक घटना हुई। रोहन नाम का एक व्यक्ति एक काले रंग की सियाज कार में आया और उसने "आप" के कार्यकर्ताओं से पर्चे छीन लिए और पुलिस को

बुलाकर उन्हें गिरफ्तार करवाने की कोशिश की।

8. संगली मेस में व्यापारियों को धमकियां दी गईं। छोटे दुकानदारों ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से जुड़ने से मना कर दिया क्योंकि उन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा धमकी दी गई थी। इसके अलावा, भाजपा से जुड़े गुंडों ने उन्हें बार-बार यह चेतावनी दी कि "हम तुम्हारी दुकान तुड़वा देंगे।

9. 18 जनवरी को जब मैं लाल बहादुर सदन, सेक्टर 2, डीआईजेड क्षेत्र, गोलक मार्केट में प्रचार करने गया था तो मेरे काफिले पर भी गुंडों ने हमला किया था।

अरविंद केजरीवाल ने चिट्ठी में कहा है कि जो बात और भी चिंताजनक है, वह यह है कि दिल्ली पुलिस भी हमारे कार्यकर्ताओं को मनमाने ढंग से हिरासत में लेकर, पूछताछ करके और परेशान करके उन्हें निशाना बना रही है। कुछ को तो गलत तरीके से भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

हम देख रहे हैं कि हमारे पार्टी के जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को अवैध हिरासत और धमकियों के जरिए दबाने का एक सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि यह सब भाजपा के इशारे पर किया जा रहा है, ताकि हमारे कार्यकर्ता चुनाव से जुड़ी गतिविधियों में भाग न ले सकें। यह एक जानबूझकर की गई रणनीति लगती है, जिसका मकसद हमारे पार्टी के चुनाव प्रचार को कमजोर करना और दबाना है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि मौजूदा हालात को देखते हुए, हमें डर है कि चुनाव से एक रात पहले और चुनाव वाले दिन की सुबह, यह धमकी भरी रणनीतियां और बढ़ सकती हैं। इसका मकसद हमारे वॉलंटियर्स को मतदान के दिन काम करने से रोकना और हमारे पार्टी के चुनावी कामकाज में बाधा डालना हो सकता है। पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है, उसे देखते हुए यह गंभीर चिंता का विषय है कि चुनाव से ठीक पहले हमारे मुख्य वॉलंटियर्स को दिल्ली पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाया जा सकता है। हमें यह भी चिंता है कि हमारे सीनियर वॉलंटियर्स को अवैध रूप से हिरासत में लिया जा सकता है, उन्हें उठाकर ले जाया जा सकता है, धमकाया जा सकता है और यहां तक कि उन पर हमला भी किया जा सकता है, ताकि वे पार्टी का समर्थन करने से रोके जा सकें।

इन चिंताओं के मद्देनजर, मैं आपसे तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं ताकि राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कानूनी एजेंसियों का दुरूपयोग रोका जा सके और एक स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित हो सके।

1. स्वतंत्र पर्यवेक्षकों की तैनाती- मतदान से एक रात पहले और मतदान वाले दिन पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विशेष चुनाव पर्यवेक्षकों को तैनात किया जाए, खासकर संवेदनशील इलाकों में। यदि इन पर्यवेक्षकों को कोई गैरकानूनी गतिविधि दिखाई दे, तो उसे तुरंत आपके ध्यान में लाया जाए और उस पर सख्त कार्रवाई की जाए।

2. हमारे वॉलंटियर्स की सुरक्षा- दिल्ली पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे हमारे कार्यकर्ताओं को चुनाव के दिन बिना किसी डर या परेशानी के काम करने दें। मैं ग्राउंड लेवल पर काम कर रहे हमारे वॉलंटियर्स की एक सूची भी संलग्न कर रहा हूं, जिन्हें पुलिस सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए, क्योंकि उन्हें हाल ही में भाजपा कार्यकर्ताओं और दिल्ली पुलिस द्वारा निशाना बनाया गया है। हमारी मांग है कि उन्हें दिल्ली पुलिस के अलावा किसी अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसी की सुरक्षा प्रदान की जाए।

3. पुलिस की शक्तियों के दुरूपयोग के लिए जवाबदेही- जिन पुलिस अधिकारियों ने गैरकानूनी और असंवैधानिक तरीके से काम किया है और अपने कर्तव्यों की अनदेखी की है, उन्हें तुरंत निलंबित किया जाए। चुनाव आयोग को ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके एक मिसाल कायम करनी चाहिए, जो राजनीतिक दबाव में हमारे वॉलंटियर्स को डरा-धमका रहे हैं।

4. हिंसा में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई- जो लोग हमारे स्वयंसेवकों को धमकाते हैं या उन पर हमला करते हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाए और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 170 और 171 तथा चुनाव कानूनों के तहत कार्रवाई की जाए।

हम उम्मीद करते हैं कि चुनाव आयोग इस मामले पर तुरंत ध्यान देगा और ऐसी गलत हरकतों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगा, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे।

चुनाव आयोग ने तेज की कार्रवाई, 218 करोड़ रुपये से अधिक की सामग्री जब्त; 2020 के मुकाबले साढ़े तीन गुना ज्यादा

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव में धन-बल का बोलबाला है। मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी शराब नशीले पदार्थ आभूषण और मुफ्त उपहारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जब्ती अभियान तेज कर दिया है। इस बार प्रवर्तन एजेंसियों ने रिकॉर्ड जब्ती की है। अब तक 38 .64 करोड़ रुपये नकद सहित 218 करोड़ रुपये से अधिक के सामान जब्त किए गए हैं।

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव में इस बार धन बल का ज्यादा जोर है। ताकि मतदाताओं को पक्ष में मतदान के लिए प्रलोभन दिया जा सके। इसके मद्देनजर चुनाव आयोग ने भी निष्पक्ष चुनाव के लिए जब्ती की कार्रवाई तेज कर दी है।

यही वजह है कि इस बार प्रवर्तन एजेंसियों ने विधानसभा चुनाव में नकदी, शराब, नशीले पदार्थ, अभूषण, मुफ्त उपहार की रिकार्ड जब्त की है। इस वजह से वर्ष प्रवर्तन एजेंसियों ने इस बार अब तक 38.64 करोड़ नकदी सहित 218 करोड़ से अधिक राशि के सामान जब्त किए हैं, जो वर्ष 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में करीब साढ़े तीन गुना अधिक है।

ईमानदारी के साथ मतदान में भाग लें: चुनाव आयोग

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार इस बार विभिन्न अधिनियमों के तहत मामले भी अधिक दर्ज कराए गए हैं। इस बार अब तक 2703 मामले दर्ज हुए हैं। जबकि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान 2067 मामले दर्ज कराए गए थे। सीईओ कार्यालय ने मतदाताओं से अपील की है कि वे किसी तरह के प्रलोभन में न आएं। ईमानदारी के साथ मतदान में भाग लें।

चुनाव में गड़बड़ी से संबंधित शिकायतें भेजें: चुनाव आयोग

सीईओ कार्यालय का कहना कि प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जब्ती व कार्रवाई के आंकड़े बताते हैं कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी होंगे। 636 फ्लाइंग स्क्वायड टीमें (एफएसटी) और 630 स्टेटिक सर्विलांस टीमें (एसएसटी) स्थिति की निगरानी कर रही हैं। साथ ही लोगों से भी सीईओ कार्यालय ने अपील की है कि वे सी-विजिल एप या चुनाव हेल्पलाइन के माध्यम से चुनाव में गड़बड़ी से संबंधित शिकायतें भेजें।

लक्ष्मी नगर विधानसभा में बीएसपी की महा रैली की तैयारियां पूरी

सुषमा रानी, नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी के लक्ष्मी नगर विधानसभा प्रत्याशी मोहम्मद वकार चौधरी ने मीडिया कर्मियों को जानकारी दी कि 3 फरवरी को एक भव्य महारैली आयोजित की जाएगी जिसमें बाइक और कारों को भी शामिल किया जाएगा। इस रैली की रूपरेखा प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह और प्रभारी नितिन सिंह के साथ बैठक कर तय की गई है।

इस रैली की शुरुआत रमेश पार्क पुश्ता से होगी और यह किशनकुंज, लक्ष्मी नगर, शकरपुर और मांडवली तक जाएगी। बैठक के बाद प्रत्याशी ने कुंदन नगर में जनसंपर्क किया और बीएसपी की नीतियों को जनता के समक्ष रखा।

बीएसपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच इस रैली को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। पार्टी नेताओं का दावा है कि यह रैली विधानसभा क्षेत्र में बीएसपी की मजबूती को दर्शाएगी और लोगों तक पार्टी की विचारधारा को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

सतिंदर सरताज और सिमी चहल ने दिल्ली में किया 'होशियार सिंह (अपना अरस्तु)' का प्रमोशन

सुषमा रानी

पंजाबी स्टार सतिंदर सरताज और सिमी चहल अपनी आनेवाली पंजाबी फिल्म 'होशियार सिंह (अपना अरस्तु)' के प्रचार के सिलसिले में पिछले दिनों राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। प्रचार कार्यक्रम के सिलसिले में दोनों कलाकार यहां के माता सुन्दरी कॉलेज पहुंचे और छात्र—छात्राओं के बीच अपनी फिल्म की खूबियों का बखन किया। दरअसल, इस फिल्म का कथानक थोड़ा अलग है, क्योंकि इसकी कहानी देश की शिक्षा प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में सतिंदर सरताज की भूमिका एक स्कूल शिक्षक की है, जिसने स्कूलों में शिक्षा की एक मजबूत नींव डालने की दिशा में काम करने का बीड़ा उठा रखा है।

ऐसे में यह कहने में गुरेज नहीं कि उदय प्रताप सिंह निर्देशित 'होशियार सिंह (अपना अरस्तु)' पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में मील का पत्थर साबित हो सकती है, क्योंकि यह उन महत्वपूर्ण विषयों को छूने में कामयाब रही है, जो अब तक किसी अन्य पंजाबी फिल्म में नहीं देखा गया है। हालांकि, इस फिल्म में दर्शकों को 85 से ज़्यादा कलाकारों की बेहतरीन कास्ट भी देखने को मिलेगा, जिसमें पंजाबी फ़िल्म इंडस्ट्री के कुछ सबसे मशहूर नाम- बी.एन. शर्मा, राणा रणबीर, सीमा कौशल, मलकीत रौनी, रूपिंदर रूपी, सुखविंदर चहल इत्यादि शामिल हैं।

फ़िल्म 'होशियार सिंह (अपना अरस्तु)' बेहतरीन मनोरंजन का वादा करती है। दर्शक एक पल के लिए भी फ़िल्म का लुत्फ़ उठाना बंद नहीं करेंगे, क्योंकि यह उनके लिए एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव साबित होगा। और, यह सब शानदार दृश्यों, बेहतरीन अभिनय, भावपूर्ण संगीत और निश्चित रूप से फ़िल्म की दमदार कहानी की वजह से संभव हुआ है।

फ़िल्म के बारे में सतिंदर सरताज का कहना है कि 'यह एक ख़ास फ़िल्म है और ऐसी कहानी है जिसे बताया जाना ज़रूरी था।' उल्लेखनीय है कि सतिंदर सरताज ही इस फिल्म के निर्माता भी हैं। वह कहते हैं, 'यह फिल्म एक संपूर्ण पैकेज है। यह दर्शकों को भावनाओं, हास्य, नाटक और प्रेम के साथ भरपूर मनोरंजन का वादा करती है, जो अनुभव के महत्वपूर्ण हिस्से हैं।' सतिंदर का मानना है कि फिल्म में पूरी टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, इसीलिए इसका अंतिम परिणाम इतना शानदार रहा है। इस फ़िल्म के ज़रिये हमने दर्शकों को शिक्षा प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण चीज़ पर एक नया नज़रिया देने की कोशिश की है। ऐसे में यह दर्शकों को अपनी मान्यताओं और दृष्टिकोणों पर भी सवाल उठाने पर मजबूर करेगी।

वहीं सिमी चहल कहती हैं, 'यह फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है, लेकिन साथ ही उन्हें सोचने पर भी मजबूर करती है। मेरा मानना है कि यह फिल्म हर उम्र के लोगों का भूरपमर मनोरंजन करेगी, इसलिए दर्शकों को अपने परिवार के साथ इसका आनंद लेना चाहिए। इसमें दर्शकों को भावनाओं की एक रोलर कोस्टर सवारी का अनुभव होगा क्योंकि फिल्म में हास्य, नाटक और प्रेम समान मात्रा में है।'

जगदीप वारिंग लिखित, उदय प्रताप सिंह द्वारा निर्देशित और दूरदर्शी प्रोडक्शन हाउस ओमजी सिने वर्ल्ड और सरताज फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'महिला दिवस तक महिलाओं के खाते में आएंगे 2500 रुपये', पी.एम मोदी ने किया बड़ा एलान

पीएम मोदी ने कहा वसंत पंचमी से मौसम बदलना शुरू हो जाता है। पांच फरवरी को दिल्ली में विकास का नया वसंत आने वाला है। दिल्लीवासी इस बार मोदी को सेवा का मौका दें। मोदी की गारंटी है कि वह उनकी परेशानी दूर करने के लिए अपने आप को खपा देगा। मतदान से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखरने लगे हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी अंतिम रैली में आप सरकार पर शब्दों का प्रहार करने के साथ ही, संकल्प पत्र में किए गए वादों को मोदी की गारंटी बताकर उसे पूरा करने का विश्वास दिया। आठ फरवरी को भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं के बैंक खाते में विश्व महिला दिवस तक 2500 रुपये भेजने की घोषणा की।

उन्होंने केंद्रीय बजट में 12 लाख तक आयकर छूट सहित मध्यम वर्ग, कर्मचारियों, व्यापारियों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों व गरीबों के लिए किए गए प्रविधान की जानकारी देकर उन्हें साधने का प्रयास किया। बजट में बिहार के लिए हुई घोषणाओं को भी मंच से उठाया, क्योंकि दिल्ली में बड़ी संख्या में पूर्वांचली रहते हैं।

आप-दा आई तो पांच वर्ष और बर्बाद हो जाएंगे: PM

आरके पुरम में मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए चौथी व अंतिम चुनावी रैली को संबोधित किया। अरविंद केजरीवाल व उनके सहयोगी मोदी सरकार पर दिल्ली की आप सरकार को काम नहीं करने देने का आरोप लगाते हैं। इसका जवाब देते हुए कहा, आप-दा पार्टी ने दिल्ली के 11 वर्ष बर्बाद कर दिए हैं। दिल्ली को लड़ाई-झगड़े व बहाने बनाने वाली नहीं सेवा करने और दिल्ली को संवारने में ऊर्जा लगाने वाली सरकार चाहिए। दिल्लीवालों ने अगले पांच वर्षों के लिए केंद्र में भाजपा की पक्की सरकार बना दी है। गलती से भी यहां आप-दा सरकार आ गई तो दिल्ली के पांच और वर्ष बर्बाद हो जाएंगे।

दिल्ली में विकास का वसंत आने वाला है: PM

उन्होंने कहा, 'वसंत पंचमी से मौसम बदलना शुरू हो जाता है। पांच फरवरी को दिल्ली में विकास का नया वसंत आने वाला है। दिल्लीवासी इस बार मोदी को सेवा का मौका दें। मोदी की गारंटी है कि वह उनकी परेशानी दूर करने के लिए अपने आप को खपा देगा। मतदान से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखरने लगे हैं। जनता में आप-दा के प्रति भारी नाराजगी देख इसके नेता पार्टी छोड़ रहे हैं।'

दिल्ली में एक भी झुग्गी नहीं टूटेगी: PM

पीएम ने कहा, ₹दिल्लीवासियों के गुस्से से घबराकर आपदा पार्टी प्रत्येक घंटे झूठी घोषणा कर रही है। लेकिन, उनकी झूठ का नकाब उतर चुका है। एक तरफ आपदा की झूठी घोषणाएं हैं तो दूसरी तरफ मोदी की गारंटी है। आपदा वाले लोगों में भ्रम फैला रहे हैं। दिल्लीवासियों को उनसे सावधान रहना होगा। मोदी की गारंटी है कि भाजपा की सरकार बनने पर दिल्ली में एक भी झुग्गी नहीं टूटेगी। जनकल्याण की योजनाएं भी जारी रहेगी। भाजपा के संकल्प पत्र में महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देने का वादा किया गया है। आठ मार्च को महिला दिवस है और उससे पहले दिल्ली के महिलाओं के खाते में पैसे आ जाएंगे। मोदी की गारंटी पर महिलाओं को कारोबार करने के लिए दो करोड़ तक का आसान ऋ़ण मिलेगा।

देश में पहली बार मध्यम वर्ग को इतनी बड़ी राहत: PM

पीएम ने कहा, 'मैंने विकसित भारत के निर्माण के लिए गरीब, किसान, नौजवान व नारी शक्ति को मजबूत करने का वादा किया था। केंद्र सरकार का बजट इसे पूरा करने की गारंटी है। पिछले वर्षों में गरीबों को मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज व पक्का घर देने सहित कई सुविधाएं दी गई है। भारत की आर्थिक शक्ति और नागरिकों की कमाई बढ़ रही है। पहले लोगों की कमाई भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ जाती थी। अब देशवासियों के कल्याण में यह पैसा लगा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'देश के विकास में मध्यम वर्ग का बहुत बड़ा योगदान है। 12 लाख रुपये तक की आय को आयकर से मुक्त करने से मध्यम वर्ग के लोगों के हजारों रुपये बचेंगे। नेहरू सरकार में 12 लाख पर आय होने पर इसका एक चौथाई, इंदिरा गांधी की सरकार में 10 लाख रुपये और 10 वर्ष पहले 2.60 लाख रुपये आयकर देना पड़ता था। अब उन्हें एक रुपया भी आयकर नहीं देना होगा।'

सभी के घर में अतिरिक्त पैसा आएगा: PM मोदी

पीएम ने कहा, 'सरकारी व निजी कर्मचारियों, पेंशन धारक बुजुर्गों, दुकानदारों सभी के घर में अतिरिक्त पैसा आएगा। आठवें वेतन आयोग से सरकारी कर्मचारियों व पेंशन धारक बुजुर्गों को वेतन व पेंशन बढ़ने के साथ ही आयकर में भी छूट मिलेगी। खर्च करने की उनकी क्षमता बढ़ने से व्यापारियों का कारोबार बढ़ेगा। गिग वर्कर्स को श्रम पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा दी गई है। इससे पांच लाख तक निःशुल्क उपचार व अन्य सुविधाएं मिलेगी।'

भाजपा सरकार पूर्वांचलियों के विकास के लिए कार्य कर रही: PM

प्रधानमंत्री ने कहा, 'जंगल राज वाले और कांग्रेस ने पूर्वांचलियों को नजरअंदाज किया। भाजपा उनके विकास के लिए काम कर रही है। बिहार में मखाना बोर्ड के गठन व आधारभूत ढांचे के विकास की घोषणा से आपदा व कांग्रेस वालों परेशान हैं।'

उन्होंने कहा, 'एक तरफ भाजपा लोगों की आय बढ़ा रही है। वहीं, आपदा वालों ने लोगों के जीवन को मुश्किल बना दिया है। वायु प्रदूषण व दूषित पेयजल आपूर्ति से लोग बीमार हो रहे हैं। उन्हें उपचार पर अपनी आय का बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ रहा है। प्रत्येक वर्ग पर आपदा का दुष्प्रभाव पड़ा है। दिल्ली वालों को ऐसे संकट से भाजपा ही निकालेगी।'

'दंगे के वक्त कहां थे, क्यों नहीं की लोगों की मदद', प्रियंका गांधी का अरविंद केजरीवाल से सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी दो दिनों में दूसरी बार यमुनापार में आई। रविवार को उन्होंने बाबरपुर व सीमापुरी में जनसभा की। सीमापुरी में उन्होंने संतोष कोली नाम की महिला को श्रद्धांजलि दी। संतोष की मौत एक सड़क हादसे में हुई थी। उनके स्वजन उनकी मौत का जिम्मेदार आप के नेताओं को मानते हैं।

प्रियंका के साथ वाल्मीकि व जाटव समाज की महिलाओं ने भी मंच साझा किया। प्रियंका ने अरविंद केजरीवाल से पूछा कि वर्ष 2020 में जिस वक्त दिल्ली दंगे की आग में झुलस रही थी तब वह कहां थे। दंगे के वक्त उन्होंने पीड़ितों की मदद क्यों नहीं की। दंगे क्यों नहीं रोक पाए, वह चुप क्यों रहे।

गांव की महिला ने राजीव गांधी को डांटा था: प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा कि कि सीमापुरी में हैजा की बीमारी फैली थी। उस वक्त प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे। वह खुद सीमापुरी पहुंचे और लोगों की मदद की थी। सड़क बनने में देरी होने पर एक गांव की महिला ने राजीव गांधी को डांटा था और प्रधानमंत्री होते हुए वह चुपचाप डांट सुन रहे थे। क्योंकि वह जानते थे, उन्हें प्रधानमंत्री बनाने वाली जनता है।

कांग्रेस के दौर में लोग सीधे पीएम से पूछते थे सवाल: प्रियंका

कांग्रेस के दौर में लोग सीधे प्रधानमंत्री से सवाल पूछते थे और उन्हें जवाब देना पड़ता था। आरोप लगाया कि मौजूदा वक्त में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कोई सवाल पूछा तो सरकार उस व्यक्ति को जेल में डाल देती है। न जाने उसके खिलाफ कितने मुकदमे दर्ज करवा दे। उन्होंने कहा इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री थी, तब उन्होंने पाकिस्तान में घुसकर उसके दो टुकड़े किए थे। जनता के काम करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने झूठ का चोला पहनहर दिल्ली की मुख्यमंत्री रही शीला दीक्षित को जलील किया। दिल्ली के लोग न तो साफ हवा में सांस ले रहे हैं न ही दिल्ली सड़कें ठीक हैं। केजरीवाल ने केवल अपने प्रचार पर रकम खर्च की है।

झूठों के सरदार हैं केजरीवाल : मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिार्जुन खरगे रविवार को मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में जनसभा करने के लिए पहुंचे। वह दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर बरसे। उन्होंने केजरीवाल को झूठों का सरदार कहा। आरोप लगाया कि शीला दीक्षित ने जिस दिल्ली को प्यार से संवारा था, उसे केजरीवाल ने बर्बाद कर दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार मिटाने की बात कहकर सत्ता में आए थे और खुद ही भ्रष्टाचार करने लगे। वह एक तेज बहुत तेजी से फैला रहे है कि यमुना में जहर मिलाया जा रहा है। सत्ता हासिल करने के लिए वह किसी भी हद तक गिर सकते हैं। छोटी गाड़ी में चलने का दावा करने वाले केजरीवाल दस-दस गाड़ियां लेकर चल रहे हैं। दिल्ली के विकास के लिए कांग्रेस जरूरी है।

तेज आवाज से रुकी सांसें, सामने छाया अंधेरा, फिर भी नहीं रुके दमकलकर्मी

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में एक ट्रक में भीषण आग लगने से सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। आग इतनी भयावह थी कि आसपास के इलाकों में भी दहशत फैल गई। जलते ट्रक से सौ मीटर दूर ही अग्निशमन की गाड़ियां रुक गईं। दमकल कर्मियों ने जान पर खेलकर आग पर काबू पाया। इस दौरान कई दमकलकर्मी घायल भी हो गए। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

गुरुग्राम। साहिबाबाद। आग लगने की सूचना तड़के 4.35 बजे साहिबाबाद फायर स्टेशन पर मिली। साहिबाबाद, वैशाली कोतवाली और लोनी से करीब 10 गाड़ियां मौके पर रवाना की गईं। मौके पर स्थिति बहुत ही भयावह थी। ट्रक में भीषण आग लगी थी।

तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट रहे थे। जो करीब आधा किमी से अधिक दूर जाकर गिर रहे थे। जलते ट्रक से सौ मीटर दूर ही अग्निशमन की गाड़ियां रुक गईं। फटे हुए सिलेंडर के टुकड़े सड़कों पर फैले थे। जो घायल करने के लिए काफी थे। अग्निशमन कर्मियों का हौसला बढ़ाया और सबसे आगे एक फायर टेंडर में बैठकर ट्रक के करीब 50 मीटर सामने पहुंच गए।

अग्निशमन कर्मियों जान पर खेलकर पाया काबू

जमीन बैठकर डिवाइडर के सहारे पानी की बौछार कर आग बुझाने का काम शुरू किया गया। तीन यूनिट में तैनात 11 अग्निशमन कर्मियों जान पर खेलकर आग बुझाना शुरू किया। यह कहना था कि मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल का।

राहुल पाल ने बताया कि मौके पर पहुंचे ही धमाके के साथ जहां सिलेंडर गिर रहे थे। वहीं आग लग रही थी। ट्रक के साथ लकड़ी के गोदाम, पेट्रोल पंप के पास टायर की दुकान और दूसरी तरफ कारों में आग थी। स्थिति को देखते हुए ज्यादा इंतजार नहीं किया जा सकता था। आग लगातार बढ़ रही थी। आग के पास छिपने का बस डिवाइडर ही एक मात्र रास्ता था।

जबरदस्त धमाके से सिलेंडर के हुए टुकड़े

डिवाइडर के पास बैठकर आग बुझाने के दौरान ही जलता हुआ गैस सिलेंडर आकर गिरा। जो तेज धमाके साथ फट गया। धमाका इतना जबरदस्त था कि कर्मियों के हाथ से हौजरी छूट गई। आंखों के सामने मानों अंधेरा छा गया, लेकिन फिरभी वह और अग्निशमन कर्मी पीछे नहीं हटे हौजरी उठाकर आग बुझाने में जुट गए।

कई डिवाइडर और अग्निशमन की गाड़ी की आड में होने के चलते कई सिलेंडर के टुकड़े आकर पास में गिरते रहे। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया। तभी लीड फायरमैन राजेश कुमार चालक अशोक कुमार की छत पर चढ़कर लकड़ी के गोदाम में लगी आग बुझाने लगे।

तभी वह छत से गिरकर घायल हो गए। उनके साथ में आग बुझाने में एफएसएसओ गगन कुमार, गंभीर सिंह, प्रह्लाद सिंह, सौरभ राणा, अमित कुमार, अरुण कुमार, आयुष्मान, अखिल, गौरव तोमर और लोकेश ने फंट पर खड़े होकर आग पर काबू पाया। करीब 40 अग्निशमन कर्मी मौके पर आए थे।

जीपीएस की लोकेशन से खुलेगा आग लगने का रहस्य

ट्रक में आग कैसे लगी यह रहस्य बना हुआ

है। चालक के स्वजन का कहना था कि ट्रक घर के बाहर खड़ा था। तभी आग लगी। जबकि मौके पर मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों में चर्चा रही कि रात में पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मी ने बताया था कि ट्रक चल रहा था।

पीछे सिलेंडर में आग जलती दिखी। तब चालक को बताया गया। इसको देखते हुए ट्रक में लगे जीपीएस की लोकेशन का विवरण निकलवाया जा रहा है। घटना स्थल व पेट्रोल पंप आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी निकलवाई जा रही है। जिससे पता चल सके की आग कैसे लगी।

ऐसे लग सकती है आग

अग्निशमन कर्मियों को कहना है कि ट्रक में चलते और खड़े रहने पर आग लगने की दो स्थिति हो सकती हैं। खड़े ट्रक के ऊपर से बिजली की लाइनें जा रही थीं। किसी गैस सिलेंडर में लीकेज हो रही होगी।

तारों से निकली चिंगारी गिरी होगी और सिलेंडर में आग लग गई होगी। वहीं, चलत ट्रक में भरे सिलेंडर में घर्षण होने और लीकेज हो रहे सिलेंडर में आग पकड़ना भी वजह हो सकी है।

दिल्ली-NCR से चौंकाने वाली रिपोर्ट, प्रॉपर्टी की बिक्री में आई छह फीसदी की गिरावट; जानें वजह

परिवहन विशेष न्यूज

एनसीआर में 2023 में औसत संपत्ति की कीमत 5800 रुपये प्रति वर्ग फुट थी जो 2024 के अंत तक 7560 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच गई। 2024 में जारी रहने वाली संपत्ति की तेजी 2025 में नहीं देखी जाएगी। इसके अन्य कारण कीमतों में लगातार वृद्धि निर्माण लागत में वृद्धि और लंबे समय तक स्थिर ब्याज दरें हो सकती हैं।

नोएडा। एनसीआर रियल एस्टेट सेक्टर में प्रॉपर्टी रिसर्च फर्म की ओर से बेहद चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आ रही है। इसमें वर्ष 2023 में प्रॉपर्टी की औसत कीमत 5,800 रुपये प्रति वर्ग फुट थी जो वर्ष 2024 के अंत तक 7,560 रुपये प्रति वर्ग फुट पर पहुंच गई, जिसके कारण पिछली तिमाही में मकानों की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले छह फीसदी की कमी आई है।

पिछले साल 65,625 यूनिट्स बिकी

ऐसे में पिछले साल 65,625 यूनिट्स बिकी थीं, जो दिसंबर 2024 तक घटकर 61,900 पर आ गई हैं। जबकि यूनिट्स की आपूर्ति साल 2023 के मुकाबले 44 फीसदी बढ़कर साल 2024 में 53,000 तक पहुंच गई है, जबकि साल 2023 में यह आंकड़ा 36,735 था।

कीमतों में लगातार बढ़ोतरी

एनरैक की ओर से जारी सर्वे रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि साल 2024 में जारी रहने वाला प्रॉपर्टी बूम साल 2025 में देखने को नहीं मिलेगा। इसके अन्य कारण कीमतों में लगातार बढ़ोतरी, निर्माण की बढ़ती लागत और लंबे समय तक ब्याज दरों का स्थिर रहना हो सकते हैं।

उतार-चढ़ाव और स्थिरता का यह चलन

क्रेडाई पश्चिमी यूपी के सचिव दिनेश गुप्ता ने बताया कि रियल एस्टेट बाजार मांग और आपूर्ति के चक्र पर चलता है। उतार-चढ़ाव और स्थिरता का यह चलन इस सेक्टर के लिए कोई नई बात नहीं है। अक्सर ऐसा होता है कि जब प्रॉपर्टी के रेट में लगातार बढ़ोतरी होती रहती है तो खरीदार और बिल्डर दोनों ही कुछ समय बाद वेट एंड वॉच की नीति अपना लेते हैं, ताकि बाजार में कुछ स्थिरता आए और वे उसी के अनुसार अपना अगला कदम तय करें।

हालांकि प्रॉप टाइगर की रिपोर्ट में मांग को लेकर जो आंकड़े हैं, वे चौंकाने वाले भी हैं, क्योंकि वर्ष 2024 की अंतिम तिमाही के दौरान एनसीआर में बिक्री पिछले साल की समान अवधि के 6,528 यूनिट से बढ़कर 9,808 यूनिट हो गई, जो करीब 50 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाती है।

गाजियाबाद खरीदारों की पसंद बनकर उभरा

केडब्ल्यू ग्रुप के निदेशक पंकज कुमार जैन ने बताया कि गाजियाबाद 2025 में घर खरीदने वालों की पसंद बनकर उभरने वाला है। रैपिड रेल के संचालन और नए हाउसिंग डेस्टिनेशन बनने से बढ़ी कनेक्टिविटी के साथ हमें उम्मीद है कि गाजियाबाद में प्रॉपर्टी की कीमत अन्य क्षेत्रों के मुकाबले स्थिर रहेगी और मांग बढ़ेगी।

नए प्रोजेक्ट की मांग वर्ष 2025 में बनी रहेगी

रेनेक्स ग्रुप के सीईओ अवनीश मिश्रा ने बताया कि नए प्रोजेक्ट की मांग वर्ष 2025 में बनी रहेगी, क्योंकि इनके रेट रेडी टू मूव के मुकाबले नियंत्रित होंगे और अच्छे और लचीले ऑफर देंगे। जिससे घर खरीदने वालों को किराए और ईएमआई का दोहरा बोझ नहीं झेलना पड़ेगा। लोग बड़ी सोसायटियों और पुरानी लोकेशन से अलग नई लोकेशन और कॉन्सेप्ट वाली प्रोजेक्ट में अपने लिए घर खरीदना पसंद करेंगे।

अब नोएडा की सड़कों पर होगा कम शोर, पुणे और बेंगलुरु की तर्ज पर बनाए जाएंगे साइलेंट जोन

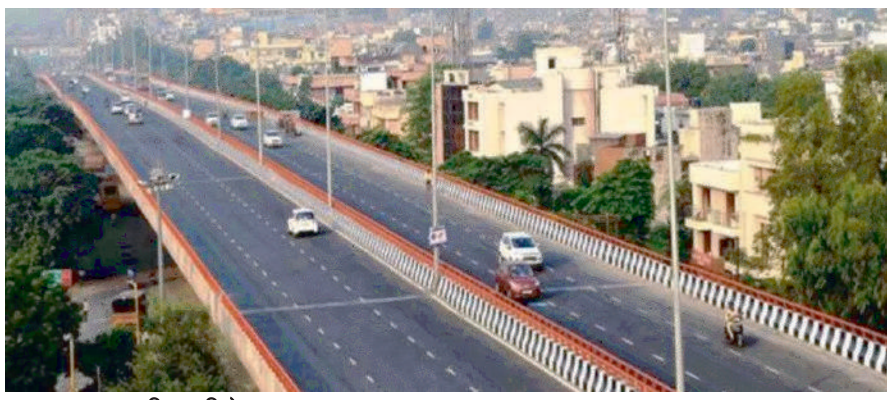

परिवहन विशेष न्यूज

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने पर मंथन कर रही है। स्कूल अस्पताल सोसायटी पार्क और प्रार्थना स्थल आदि को चिन्हित किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा पूर्व में चिन्हित 140 जोन पर भी काम किया जा रहा है। लोग लापरवाही बरतकर ट्रैफिक सेंस की कमी का उदाहरण पेश करते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए पुलिस यातायात जागरूकता जैसी पहल कर रही है।

नोएडा। पुणे और बंगलूरू की तर्ज पर गौतमबुद्ध नगर में भी साइलेंट जोन बनाए जाएंगे। इन जोन में हार्न बजाने पर रोक रहेगी। कमिश्नरेट पुलिस के अधिकारी लोगों की मदद से जिले में दिन और रात के समय होने वाले शोर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं, नोएडा प्राधिकरण द्वारा पूर्व में चिह्नित 140 साइलेंट जोन समेत तीनों प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित साइलेंट जोन पर भी काम किया जा रहा है।

यातायात व्यवस्था को सुधारने पर मंथन

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस जिले की यातायात व्यवस्था को सुधारने पर मंथन कर रही है। सड़क हादसों का ग्राफ नीचे लाने के साथ ही वाहनों से होने वाले अनावश्यक शोर को कम करना भी प्राथमिकता में है। दिन और रात में मानकों का पालन नहीं हो रहा है। इसके चलते साइलेंट जोन में भी शोर रहता है।

वहीं, जानकारों के मुताबिक लोग लापरवाही बरतकर ट्रैफिक सेंस न होने का उदाहरण पेश करते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए पुलिस यातायात जागरूकता जैसी पहल कर रही है।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुसार, साइलेंट जोन में रात में 40 और दिन में 50 डेसिबल ध्वनि सामान्य मानी जाती है। वहीं, प्रदूषण विभाग की रिपोर्ट की मानें तो जिले में साइलेंट जोन में रात में करीब 70 डेसिबल ध्वनि रिकॉर्ड की गई है। इसका उदाहरण नोएडा सेक्टर 62 स्थित फोर्टिस अस्पताल और नोएडा सेक्टर 19 स्थित मैक्स अस्पताल के आसपास निर्धारित साइलेंट जोन के आसपास देखा जा सकता है।

क्यों होता है काफी अधिक शोर?

इसका कारण यह है कि नजदीक में मेट्रो स्टेशन, ट्रैफिक कट और बाजारों पर वाहनों का दबाव होने के कारण यहां सामान्य से काफी अधिक शोर होता है। प्रदूषण विभाग के अनुसार ध्वनि प्रदूषण का कारण यातायात नियमों का पालन किए बिना चलने वाले वाहन हैं। यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों के सहयोग से अभियान चलाए जाते हैं।

चार जोन में बंटा हुआ है जिला

जोन	रात	दिन
व्यवसायिक जोन	55	65
रिहायशी जोन	45	55
साइलेंट जोन	40	50
औद्योगिक जोन	70	75

इन जगहों को किया जाएगा चिंहित

सरकारी व निजी अस्पताल

स्कूल व विश्वविद्यालय

सोसायटी व अपार्टमेंट

पार्क व ध्यान केंद्र

प्रार्थना सभा स्थल

आत्मनिर्भर भारत की खिलौना क्षेत्र मे दस्तक - 2028 तक 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान

खिलौने हर देश की सभ्यताओं सांस्कृतिक विरासत को समझने में मदद करते हैं

प्लास्टिक खिलौनों के बढ़ते प्रचलन को रोककर स्वदेशी शिल्प, स्वदेशी खिलौनों के उपयोग को बढ़ावा देने की ज़रूरत

– एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - विश्व में कहीं भी अगर हम खिलौने की बात करें तो अनायास ही बच्चों की काया उभर आती है, खिलौनों को अक्सर बच्चों से संबंधित ही समझा जाता है लेकिन वर्तमान परिपेक्ष में इस शब्द का प्रयोग विस्तृत स्तर पर होता है, यहां तक कि हिंदी अंग्रेजी फिल्मों के नाम भी खिलौना हो चुके हैं। भारतीय खिलौना उद्योग वैश्विक स्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है, जिसके वर्ष 2028 तक 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो 2022-28 के बीच 12 पेर्सेंट की सीएजीआर से बढ़ रहा है।

साथियों बात अगर हम खिलौनों की भारतीय पावन धरती पर करें तो भारत में खिलौनों का प्रयोग अतिप्राचीन और सिंधु सभ्यता के खंडहरों से भी प्राप्त हुए हैं अगर हम सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेषों को देखेंगे तो हमें बोध होगा कि यह हमारी प्राचीन विरासत और सभ्यता से जुड़े हैं। लेकिन हम देखते हैं कि समय के घूमते चक्र ने किस तरह परिस्थितियां बदल कर रख दी और हम सब प्रौद्योगिकी युग में आ गए जहां हर कार्य, व्यवहार डिजिटल हो गया है वहां भला खिलौने क्यों पीछे रहें! आज खिलौने इस तरह से डिजिटल हो गए हैं, जो पूरी तरह ऑटोमेटिक और प्लास्टिक निर्मित हो गए हैं जो वातावरण के पूर्णता खिलाफ और नुकसान पैदा करने वाले हैं जिन्हें रोकना अत्यंत आवश्यक है उससे नुकसान की हमने कल्पना भी नहीं की हैं।

साथियों बात अगर हमारे स्वदेशी शिल्प, स्वदेशी कला से संजोए खिलौने की करें तो उसमें हमारे देश की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति झलकती है उसे देखकर, उनसे खेलकर आनंद महसूस होता है। उनमें हमारे पूर्वजों की कारीगरी के गुणों का आभास प्रतीत होता है। हमारे भारतीयता की शान हैं। उनके उत्पादन, संग्रहण, बिक्री के लिए उच्च मापदंडों की रणनीतिक रोडमैप नीति बनाने की ज़रूरत है क्योंकि आज भी हमारी सभ्यता, विरासत के खिलौने विलुप्त नहीं हुए हैं। ग्रामीण स्तरपर पारंपरिक समुदायों द्वारा आज भी बनाए जाते हैं जिसे हम अनेक त्योहारों पर देखते हैं जैसे महाराष्ट्र में पोले के अवसर पर लकड़ी की कारीगरी से बैल का शेप दिया जाता है और छोटे-छोटे बच्चे मर्बोद के दिन घरों, दुकानों पर उसे ले जाकर बौजारा याने अपना पुरस्कार मांगते हैं जो बहुत ही प्राचीन सभ्यता का प्रतीक है जिसे देख कर खुशी होती है। ऐसे ही अनेक अवसरों पर अन्य राज्यों में भी हस्तशिल्पी कारीगरों का प्रचलन होता है जिसे एक प्लेटफार्म प्रदान कर वैश्विक स्तर पर ले जाने की तात्कालिक ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम देश के पहले इंडिया टॉय फेयर की करें तो पीआईबी के अनुसार इसके उद्घाटन समारोह में माननीय पीएम ने भी कहा था, खिलौनों के साथ भारत का रचनात्मक रिश्ता, क्रिएटिव सम्बन्ध, उतना ही पुराना है जितना इस भूभाग का इतिहास है। सिंधुघाटी सभ्यता, मोहनजो -दारो और हड़प्पा के दौर के खिलौनों पर पूरी दुनिया ने रिसर्च की है। प्राचीन काल में दुनिया के यात्री जब भारत आते थे, वो भारत में खेलों को सीखते भी थे, और अपने साथ खेल लेकर भी जाते थे। आज जो शतरंज दुनिया में इतना लोकप्रिय है, वो पहले 'चतुरंग या चादुरंगा' के रूप में भारत में खेला जाता था। आधुनिक लूडो तब पच्चीसी के रुप में खेला जाता थाI हमारे

धर्मग्रन्थों में भी आप देखिए, बाल राम के लिए अलग-अलग कितने ही खिलौनों का वर्णन मिलता है। गोकुल में गोपाल कृष्ण घर के बाहर अपने मित्रों के साथ कंदुक यानी बॉल से खेलने जाते थे। हमारे प्राचीन मंदिरों में भी खेलों के, खिलौनों के शिल्प को उकेरा गया है। खासकर के तमिलनाडु में, चेन्नई में, अगर आप वहाँ मंदिरों को देखेंगे, तो ऐसे कितने ही उदाहरण देखने को मिलेंगे कि मंदिरों में भी अलग-अलग खेल, अलग-अलग खिलौने, वो सारी चीजें वहाँ आज भी दीवारों पर दिखती हैं।

साथियों बात अगर हम खिलौने और खेल खेलने, बनाने और सीखने पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबीनार की करें तो पीआईबी के अनुसार मुख्य अतिथि शिक्षा राज्यमंत्री ने भी अपने संबोधन में बच्चों के बौद्धिक विकास और उनमें रचनात्मकता पैदा करने और समस्या को सुलझाने के कौशल को निखारने में खिलौनों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीखने-सिखाने के संसाधन के रूप में खिलौनों में अध्यापन कला को बदलने की क्षमता है और खिलौना आधारित शिक्षण का उपयोग माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को सिखाने के लिए आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खिलौने हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने में मदद करते हैं और बौद्धिक व भावनात्मक विकास को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह अंतरराष्ट्रीय वेबिनार हमारे देश के आत्मनिर्भर होने की यात्रा को सुगम बनाएगा और देश के आर्थिक विकास में योगदान देगा।अपने संबोधन में वेबिनार की समन्वयक और लैंगिक अध्ययन विभाग, एनसीईआरटी की प्रमुख ने इस बात को रेखांकित किया कि खिलौने हमेशा भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। उन्होंने प्लास्टिक के खिलौनों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई, जिसका पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव होता है। उन्होंने ग्रामीण और स्वदेशी शिल्प को बढ़ावा देने और स्वदेशी खिलौनों के उद्योग को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया और बच्चों के दुनिया के बारे अलग तरह से सोचने, पुनर्विचार और कल्पना शक्ति को मजबूत करने के लिए खिलौना आधारित शिक्षण पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के प्रति लोगों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया का भी उल्लेख किया और इसका विवरण साझा किया।पहला तकनीकी सत्र विभिन्न सभ्यताओं और संस्कृतियों में खिलौनों पर आधारित था। इसमें पांच पेपर थे जो विभिन्न विषयों पर खिलौनों और खेलों की परंपरा पर प्रस्तुत किए गए और इसमें इतिहास से उदाहरण लेकर आज के दिन से जोड़ा गया।दूसरा तकनीकी सत्र खिलौनों के साथ विभिन्न अवधारणाओं को सीखना, खिलौना आधारित शिक्षण कला पर केंद्रित था। इस सत्र की अध्यक्षता किम इंस्ले, एसोसिएट प्रोफेसर (शिक्षण), पाठ्यक्रम विभाग, शिक्षण कला एवं मूल्यांकन विभाग, शिक्षा संस्थान, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन ने की। इस सत्र में शिक्षकों और शिक्षकों के प्रशिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए।खिलौना डिजाइन शिक्षा, पाठ्यक्रम और करियर, पर केंद्रित तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता रवि पवैय्या, प्रोफेसर, औद्योगिक डिजाइन केंद्र, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई ने की। विभिन्न डिजाइन संस्थानों के संकाय सदस्यों और एक उद्यमी ने देश में खिलौनों के डिजाइन एजुकेशन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने खिलौना आधारित शिक्षण पद्धति की दिशा में काम करने के लिए विभिन्न संस्थानों के बीच सहयोग का आह्वान किया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बच्चों के खिलौने हमारे देश की सभ्यताओं, सांस्कृतिक विरासत को समझने में मदद करते हैं तथा प्लास्टिक खिलौनों के बढ़ते प्रचलन को रोककर स्वदेशी शिल्प, स्वदेशी खिलौनों के उपयोग को बढ़ावा देने की ज़रूरत है।

सावधान! निवेश के नाम पर हो रही ठगी, एक शख्स ने गंवा दिए 3 .47 करोड़ रुपये

अक्सर लोग मोटे मुनाफे के लालच में किसी फोन कॉल के जरिए लाखों रुपये निवेश कर देते हैं। एक मामला हरियाणा के बल्लभगढ़ से सामने आया है। आरोपी ने पॉलिसी खरीदने पर अच्छा रिटर्न देने के नाम पर एक व्यक्ति से 3 करोड़ 47 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बल्लभगढ़। पॉलिसी कराने पर अच्छा रिटर्न देने के नाम पर आरोपितों ने एक व्यक्ति से तीन करोड़ 47 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आईडीबीआई फेडरल बैंक के नाम से आया फोन

साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी शिकायत में मच्छगर गांव निवासी रणबीर सिंह ने बताया कि वह रेवाड़ी के धारूहेड़ा स्थित मैसर्स हीरो मोटो कॉर्प में काम करता है। वर्ष 2015 में उसके पास आईडीबीआई फेडरल बैंक से राजेश मेहरा नाम के व्यक्ति का फोन आया। उसने बताया कि आपने आईडीबीआई बैंक में 2 लाख रुपए जमा करवाए हैं। बैंक में आपकी तीन पॉलिसी चल रही हैं। इनमें रिटर्न बहुत कम है। उसने उसे ज्यादा रिटर्न वाली पॉलिसी के बारे में बताया।

साढ़े तीन करोड़ रुपए की जमीन बेची

वह उसकी बातों में आ गया और उसके बताए अनुसार उसके बताए खातों में पैसे ट्रांसफर करता रहा। उस समय गांव में उसकी जमीन भी बिक गई थी, जिसका मुझे करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए मुआवजा मिला था। राजेश मेहरा ने उसके पास एक एजेंट भेजा। उसने उसे तीन पॉलिसी दी। उसने कहा कि तुम्हें कुछ और पॉलिसी लेनी होंगी, जिसमें तुम्हें बेहतर रिटर्न मिलेगा। पांच से सात साल में निवेश की गई रकम दोगुनी हो जाएगी। इसके बाद वह राजेश के बताए खातों में पैसे जमा करता रहा। कई साल बीत जाने के बाद भी उसे पॉलिसी के पैसे नहीं मिले। उसे शक हुआ तो उसने राजेश से बात की। तब तक वह आरोपी को 3 करोड़ 47 लाख 38 हजार 850 रुपये दे चुका था। 6 जनवरी 2025 को राजेश ने उससे दोबारा पैसे मांगे लेकिन इस बार उसने मना कर दिया क्योंकि वह पहले ही काफी पैसे दे चुका था। आरोपी उसे ऑनलाइन दिखाता था कि उसकी कितनी रकम हो गई है। जब उसने पॉलिसी के बारे में जानकारी ली तो वह फर्जी निकली। उसने साइबर क्राइम ब्रांच के 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

टास्क पूरा करने की एवज में 5.96 लाख की ठगी

साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी गई शिकायत में मुकेश कॉलोनी निवासी पराग बंसल ने बताया कि 6 जनवरी 2025 को उसके पास एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। इसमें उसे घर बैठे पैसे कमाने का लालच दिया गया। यह मैसेज पढ़ने के बाद वह उनके बताए गए ग्रुप में शामिल हो गया। इस ग्रुप में उससे फ्री में काम करवाए गए। इसके बदले में उसे 300 रुपये दिए गए। उसने आरोपियों की बातों पर विश्वास कर लिया।

बताए खातों में पैसे जमा कराता रहा

इसके बाद वह टास्क पूरा करने की एवज में उनके बताए खातों में पैसे जमा कराता रहा। उसने पांच लाख 96 हजार 30 रुपये निवेश किए। जब भी वह आरोपियों से कुछ पैसे निकालने के लिए कहता तो वे सवाल को टाल देते। वे बार-बार उससे और पैसे निवेश करने के लिए कहते। वह समझ गया कि उसके साथ ठगी हो रही है। जब उसने निवेश करना बंद कर दिया तो आरोपियों ने उससे बात करना भी बंद कर दिया। उसने इसकी शिकायत साइबर थाना पुलिस से की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार-वॉश के समय इन 11 हिस्सों में न जाने दें पानी, लाखों की गाड़ी हो जाएगी खराब

परिवहन विशेष न्यूज

कार की देखभाल संबंधी युक्तियाँ वर्तमान में आने वाली गाड़ियां काफी मॉडर्न और प्रीमियम फीचर्स के साथ आती है। अगर इनमें गलती से भी पानी चला जाए तो वह खराब हो सकती है जिन्हें ठीक करवाने में आपको काफी पैसा खर्चा करना पड़ सकता है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि कार की धुलाई के दौरान आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नई दिल्ली। हाल के समय में कार कई बेहतरीन और प्रीमियम फीचर्स के साथ ही है। इन वजहों वर्तमान में कारों की कीमत काफी ज्यादा हो गई है, जिसकी वजह से कार का अच्छे सा ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। वहीं, सबसे ज्यादा ध्यान कार को धुलते समय रखना चाहिए। बहुत से लोग कार को गलत तरीके से धुलते हैं, जिसकी वजह से कार के फेब्रिकेशन और अन्य हिस्सों में पानी चला जाता है। इस वजह से कार खराब हो सकती है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि कार धुलते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और कार के किन हिस्सों में पानी नहीं जाने देना चाहिए।

1. इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स और वायरिंग

कार में कई तरह के इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स और वायरिंग होती है। अगर कार के इन हिस्सों में पानी चला जाए तो शॉर्ट सर्किट हो सकता है। इस वजह से कार की इलेक्ट्रिकल सिस्टम खराब हो सकता है, उन्हें ठीक करवाने में आपको भारी भरकम खर्च करना पड़ सकता है। इसलिए आपको कार धोने के समय इलेक्ट्रिकल पार्ट्स के आसपास पानी डालने से बचना चाहिए।

2. एयर इनटेक सिस्टम

कार के एयर इनटेक में अगर पानी चला जाए तो इंजन के खराब होने के चांसेस बढ़ जाते हैं। अगर इंजन में गलती से पानी चला जाए तो वह हाइड्रोलॉक हो सकता है, इस वजह से इंजन पूरी तरह से काम करना बंद कर सकता है। ऐसे में इंजन को ठीक करवाने में आपका ज्यादा पैसा खर्च हो सकता है। वहीं, कई बार तो इंजन तक को बदलवाना पड़ जाता है।

3. फ्यूल कैप और फ्यूल फिलर

कार धुलते समय अगर गलती से फ्यूल टैंक के ढक्कन और फ्यूल फिलर के आसपास पानी चला जाए तो वह फ्यूल में पानी मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो इंजन के परफॉर्मेंस पर बुरा असर पड़ता है और फ्यूल सिस्टम में समस्याएं भी हो सकती है। इसलिए कार धुलने से पहले फ्यूल कैप को हमेशा सही से बंद कर दें।

4. सेंसर और कैमरे

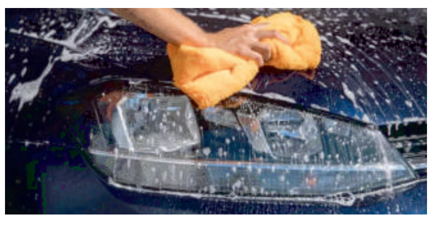

हाल के समय में आने वाली गाड़ियां काफी मॉडर्न है, जिसमें कई सेंसर और कैमरे होते हैं। इसमें ABS सेंसर, पार्किंग सेंसर और रिवर्सिंग कैमरा जैसे फीचर्स दिए जाते हैं। कार की धुलाई के दौरान अगर इन हिस्सों में पानी चला जाए तो यह काम करना बंद कर सकते हैं और इनको ठीक करवाने में आपको काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

5. सस्पेंशन और ब्रेक कंपोनेंट्स

कार के सस्पेंशन और ब्रेक सिस्टम को आपको पानी से बचाकर रखना चाहिए। इनपर पानी पड़ने से जंग लगने की समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिसकी वजह से कार के ब्रेक और सस्पेंशन सही से काम नहीं कर सकते हैं। इसलिए इन हिस्सों को सूखा रखना चाहिए।

6. इंटीरियर

कार के अंदन पानी जाने से फर्श, सीट्स और डैशबोर्ड में खराबी आ सकती है। पानी की वजह से फंगस और बदबू की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कार की सफाई करना महंगा हो सकता है।

ऑटो इंडस्ट्री के लिए कैसी रहा 2025 की जनवरी, जानिए किस कंपनी ने बेची कितनी गाड़ियां

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय ऑटो बिक्री रिपोर्ट वाहन निर्माता कंपनियों ने जनवरी 2025 में अपनी गाड़ियों की बिक्री का आंकड़ा जारी कर दिया है। जिसमें से महिंद्रा ने जनवरी 2025 में गाड़ियों की बिक्री में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वहीं मारुति सुजुकी ने न केवल सबसे ज़्यादा मासिक बिक्री दर्ज की बल्कि सालाना आधार पर भी गाड़ियों की बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की है।

नई दिल्ली। जनवरी 2025 कुछ ऑटोमेकर के लिए अच्छा तो कुछ के लिए काफी खराब रहा। इस महीने जहां महिंद्रा की गाड़ियों की बिक्री में बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है, जो वहीं टाटा मोटर्स की व्हीकल की बिक्री में डिग्रोथ देखने के लिए मिला है। साथ ही किआ इंडिया की गाड़ियों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। कुछ ऐसा ही हाल बाकि ऑटोमेकर्स का है। आइए जानते हैं कि किस ऑटोमेकर की जनवरी 20225 में कितनी बिक्री हुई है।

Mahindra Auto January 2025 car sales

जनवरी 2025 में महिंद्रा एंड महिंद्रा की गाड़ियां खूब बिकी है। जनवरी 20225 में कंपनी की कुल 85,432 गाड़ियां बिकी है, जो पिछले साल जनवरी 2024 के मुकाबले 16 फीसदी ज्यादा है। महिंद्रा ने जनवरी 2024 में 50,659 SUV गाड़ियों की बिक्री की है, जो पिछले साल से 18 प्रतिशत ज्यादा है।

Tata Motors January 2025 car sales

टाटा मोटर्स को जनवरी 2025 में 7 प्रतिशत की सालाना डिग्रोथ मिली है। पिछले महीने ने कंपनी ने घरेलू बाजार में 78,159 गाड़ियां बेची, यह आंकड़ा जनवरी 2024 में 84,276 गाड़ियां का था। जनवरी 2025 में कंपनी के कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट और पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट की बिक्री में गिरावट देखने के लिए मिला है।

Maruti Suzuki January 2025 car sales

भारत में सबसे ज्यादा बिक्री करने वाली ऑटोमेकर मारुति सुजुकी ने साल 2025 की शुरुआत काफी बेहतरीन रही है। कंपनी ने जनवरी 2025 में 2,12,251 गाड़ियों की बिक्री की है, गाड़ियों की बिक्री यह संख्या जनवरी 2024 में 1,99,364 यूनिट थी। मारुति सुजुकी ने न केवल सबसे ज़्यादा मासिक बिक्री दर्ज की बल्कि सालाना आधार पर भी बढ़ोतरी हुई है।

Hyundai January 2025 car sales

Hyundai Motor India ने जनवरी 2025 में कुल 65,603 गाड़ियों की बिक्री की है। हुंडई ने घरेलू बाजार में 54,003 गाड़ियों की बिक्री की है और 11,600 गाड़ियों का निर्यात किया है। जनवरी 2025 में हुंडई की सालाना आधार पर गाड़ियों की बिक्री में 14.86 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है और मासिक आधार पर गाड़ियों की बिक्री में 55.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

Kia India January 2025 car sales

जनवरी 2025 में Kia India ने 25,025 गाड़ियों की बिक्री के साथ साल का शुरुआत काफी शानदार तरीके से किया है। पिछले साल यानी जनवरी 2024 में किआ इंडिया की 23,769 गाड़ियों की बिक्री हुई थी। जनवरी 2025 में किआ की सालाना आधार पर गाड़ियों की बिक्री में 5 प्रतिशत की ज्यादा की बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है।

JSW MG January 2025 car sales

जनवरी 2025 में JSW MG मोटर इंडिया ने सालाना आधार पर गाड़ियों की बिक्री में 256 प्रतिशत की वृद्धि की है। कंपनी की तरफ से कहा गया है कि इस बिक्री में 70 फीसदी गाड़ियां इलेक्ट्रिक कारें हैं। कंपनी ने मासिक आधार पर गाड़ियों की बिक्री में 40 प्रतिशत की गिरावट देखने के लिए मिली है।

नई कार खरीदने पर आपकी जेब से सरकार को कितने जाते हैं पैसे, यहां समक्षिए पूरा हिसाब

परिवहन विशेष न्यूज

एक नई कार खरीदने पर खरीदार को उसपर कई तरह के टैक्स का भी भुगतान करना पड़ता है। जिसमें रोड टैक्स से लेकर GST और CESS भी शामिल है। इस तरह के आपके जरिए खरीदी जा रही नई कार पर सरकार को एक बड़ी रकम टैक्स के रूप में मिलती है। आइए जानते हैं कि एक नई कार खरीदने पर आपकी जेब से सरकार कितने पैसे जाते है।

नई दिल्ली। अपनी कार का होना तकरीबन हर किसी का सपना होता है। इसे लेने के लिए कई लोग वर्षों से पैसा इकट्ठा करते हैं, तो बहुत से लोग इसे लोन पर खरीदते हैं। वहीं, जब कोई नई कार खरीदता है तो उसपर उसे कई तरह के टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। वहीं, यह टैक्स अलग-अलग राज्यों के हिसाब से होती है। हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि जब आप नई कार खरीदते हैं को आपकी जेब से सरकार को अप्रत्यक्ष रूप से कितना पैसा जाता है।

नई कार पर लगते हैं ये टैक्स

एक्स-शोरूम कीमत: यह किसी भी कार की वह कीमत होती है, जो ऑटोमेकर कंपनी से डीलर तक पहुंचने में लगती है। इसमें भी परिवहन लागत और डीलर का कमीशन तक शामिल होता है।

रोड टैक्स: रोड टैक्स को राज्य सरकार के जरिए लगाया जाता है। यह टैक्स राज्य के हिसाब से अलग-अलग होता है।

रजिस्ट्रेशन शुल्क: नई कार खरीदने पर आपको रजिस्ट्रेशन शुल्क भी देना पड़ता है, जिसे कार के प्रकार और इंजन की कैपेसिटी के हिसाब से अलग-अलग लगाया जाता है।

मोटर व्हीकल टैक्स: इस टैक्स को राज्य सरकार की तरफ से लगाया जाता है। इसे भी कार के प्रकार और इंजन के कैपेसिटी को देखकर लगाया जाता है।

GST: इसे केंद्र सरकार की तरफ से लगाया जाता है। इसे कार की एक्स-शोरूम कीमत और बाकी चीजों पर लगाया जाता है। किसी कार पर GST 18 फीसदी या 28 फीसदी हो सकती है। वहीं, यह भी कार के प्रकार पर निर्भर करती है।

अतिरिक्त शुल्क: कुछ राज्य सरकार या नगर निगम नई कार पर अतिरिक्त शुल्क भी लगा सकती है। इसे पार्किंग शुल्क या पर्यावरण शुल्क के रूप में भी लिया जा सकता है।

इस उदाहरण से समझें

उदाहरण के रूप में मान लीजिए कि आपने मारुति की ग्रैंड विटारा एसयूवी के एक वेरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 10,61,379 रुपये है। अगर इसपर सरकार की तरफ से 28 प्रतिशत का GST लिया जाता है तो इस कीमत में 2 लाख 97 हजार 186 रुपये जुड़ जाते हैं। नई कार पर GST के साथ ही 17 फीसदी CESS भी लगाया जाता है, जिसकी वजह से इस कार में और 1 लाख 80 हजार 434 रुपये और जुड़ जाते हैं। इस तरह से 10 लाख 61 हजार 379 रुपये की कार पर 4 लाख 93 हजार रुपये तो सिर्फ टैक्स के रूप में सरकार को मिलते हैं।

कार लोन लेने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, नहीं तो बाद में पड़ेगा पछताना

परिवहन विशेष न्यूज

कार ऋण युक्तियाँ बहुत से लोग कार लोन लेने के दौरान कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते है जिसका उन्हें आगे चलकर खामियाजा भुगतना पड़ता है। वहीं लोन को चुकाने में भी कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको पांच ऐसी बातों के बारे में बता रहे हैं जिसका ध्यान कार लोन लेने के दौरान आपको रखना चाहिए।

नई दिल्ली। पहले के समय में कार को विलासिता के रूप में जाना जाता है, जो अब के समय एक जरूरी चीज बन गई है। वहीं, बहुत से लोगों के पास कार खरीदने के लिए पैसे नहीं होते हैं। ऐसे स्थिति में लोग कार लोन लेकर खरीद रहे हैं। वहीं, हाल के समय में बैंक या फिर फाइनेंस कंपनियां आपको गाड़ी खरीदने में भी मदद करते हैं। इस दौरान बहुत से लोग कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिसका खामियाजा उन्हें बाद में भुगतना पड़ता है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि कार लोन लेने के दौरान आपको किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

1. क्रेडिट स्कोर

बैंक की तरफ से आपको कार या फिर कोई भी लोन तब ऑफर किया जाता है, जब आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो। आपको अपने क्रेडिट स्कोर को हमेशा मेंटेन करके रखना चाहिए हमारी सलाह है कि आपको अपना क्रेडिट स्कोर 700 के ऊपर रखना चाहिए। इससे आपको कार लोन मिलने में आसानी रहेगी। अगर क्रेडिट स्कोर खराब है तो सुधारने के लिए आपको उससे की गई पेमेंट का भुगतान समय के भीतर करें।

2. लोन की अवधि

जब आपको बैंक या फाइनेंस कंपनी लोन देती है तो आपको एक डेडलाइन यानी समय सीमा देती है, जिसके अंदर ही आपको लोन को चुकाना होता है। इसलिए जब भी लोन ले तो इस बात का जरूर ध्यान रखें कि बैंक की तरफ से आपको लोन चुकाने के लिए कितना समय दिया जा रहा है। जब लोन की अवधि ज्यादा होती है तो आपको हर महीने की किस्त कम जमा करनी पड़ती है, लेकिन ऐसे में आपको ब्याज दर ज्यादा चुकाना पड़ जाता है। आपको लोन अपनी बजट के के मुताबिक ही सेलेक्ट करना चाहिए।

3. इंटरेस्ट रेट

बैंक कार लोन देने के साथ ही उसपर हर महीने इंट्रेस्ट रेट (interest rates) भी लेती है। हर बैंक और फाइनेंस कंपनी की अपनी ब्याज दर है। इसलिए हमेशा बैंक से लोन लेने से पहले उसके ब्याज दर के बारे में जरूर पता करें। आपको एक नहीं बल्कि कई बैंक के ब्याज दर को चेक करके कंपेरिजन करना चाहिए।

4. लोन की राशि

आपको लोन लेने से पहले अपना बजट जरूर देखना चाहिए। साथ ही भी देखना चाहिए कि जो आप लोन ले रहे हैं क्या उसे आप समय पर चुका पाएंगे। इसके साथ ही आपको इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए आप महीने कितनी पेमेंट (EMI calculation) कर सकते हैं।

5. अतिरिक्त शुल्क

बैंक लोन देने के साथ ही उसपर कई तरह के चार्ज भी लगाती है। इसमें आवेदन शुल्क, ओरिजिनेशन फीस और प्रीपेमेंट पेनल्टी जैसे कई चार्जेस शामिल होते हैं। आपको काल लोन लेने से पहले इन चीजों के बारे में पता कर लेना चाहिए। कई बार यह चार्जेस बहुत ज्यादा होते हैं। इसके बारे में आपको बैंक से पूरी जानकारी जरूर लेना चाहिए। कार लोन लेने में आपको किसी तरह की जल्दबाजी नहीं करना चाहिए।

इंजन और फीचर्स के मामले में कौन-सी बाइक ऑफ-रोडिंग के लिए बेस्ट

परिवहन विशेष न्यूज

हम यहां पर आपको दो ऑफ-रोडिंग बाइक (Off-road motorcycle) Yamaha Lander 250 और Kawasaki KLX 230 के बारे में बता रहे हैं। इन दोनों में से कौन सी मोटरसाइकिल ऑफ-रोड के लिए बेस्ट रहने वाली है। इसके साथ ही यह भी बता रहे हैं कि Yamaha Lander 250 VS Kawasaki KLX 230 में दोनों में से कौन इंजन और फीचर्स के मामले में बेहतर रहने वाली है।

नई दिल्ली। ऑफ-रोडिंग और एडवेंचर राइडिंग का शौकीन रखने वाले डर्ट बाइक या फिर एडवेंचर मोटरसाइकिल खरीदते हैं। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको दो बेहतरीन बाइक्स के बारे में बता रहे हैं, जो ऑफ-रोडिंग और एडवेंचर राइडिंग के लिए ऑप्शन के रूप में देख सकते हैं। यह मोटरसाइकिल Yamaha Lander 250 और Kawasaki KLX 230 है। यह दोनों ही डुअल-स्पोर्ट एडवेंचर बाइक्स हैं, जिनमें दमदार इंजन और बेहतर सस्पेंशन दिया गया है। आइए जानते हैं कि इन दोनों मोटरसाइकिल को किन बेहतरीन फीचर्स से लैस किया गया है।

डिजाइन

Yamaha Lander 250

यह एक डुअल-स्पोर्ट मोटरसाइकिल है, जिसका डिजाइन तकरीबन एक डर्ट बाइक जैसा है। इसमें बीक-स्टाइल फ्रंट फेंडर और सिंगल-पीस हेडलाइट दी गई है। इसमें अपस्वेप्ट एग्जॉस्ट दिया गया है, जो बेहतर वॉटर-वेडिंग कैपेसिटी देता है।

Kawasaki KLX 230

इसे पूरी तरह से डर्ट बाइक जैसा लुक दिया गया है। इसमें हेडलाइट, रियर-व्यू मिरर और अन्य एलिमेंट्स दिए गए हैं, जिसकी वजह से इसका इस्तेमाल आप सामान्य सड़कों पर भी कर सकते हैं।

इंजन परफॉर्मेंस

Yamaha Lander 250

इसमें 249cc, एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें लगा हुआ इंजन 20.5PS की पावर और 20.1Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

Kawasaki KLX 230

कावासाकी की इस ऑफ-रोड मोटरसाइकिल में 233cc, एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। यह इंजन 19PS की पावर और 19.8Nm का टॉर्क जनरेट करता है। KLX 230 के इंजन को भी 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

फीचर्स

Yamaha Lander 250

इसमें निगेटिव-लिट LCD इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। इसके साथ ही इसमें एक लंबा फ्रंट फेंडर, बड़े फ्यूल टैंक एक्सटेंशन और अपस्वेप्ट एग्जॉस्ट के साथ सिंगल-पीस सीट दी गई है।

Kawasaki KLX 230

इसमें सिंपल LCD इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है, जो ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ एलसीडी स्क्रीन, कॉल/एसएमएस और ईमेल अलर्ट जैसी जानकारी देता है। इसमें एलईडी हेडलाइट और टेल लाइट, बल्ब-टाइप इंडिकेटर्स भी दिए गए हैं।

चेसिस और सस्पेंशन

Yamaha Lander 250

इसमें हार्डवेयर सेटअप में टेलिस्कोपिक फोर्क (220mm व्हील ट्रैवल) और मोनोशॉक (204mm व्हील ट्रैवल) दिया गया है। इसमें ब्रेकिंग के लिए 245mm डिस्क ब्रेक और रियर में 203mm डिस्क ब्रेक दी गई है। Lander 250 में डुअल-चैनल ABS दिया गया है। इसमें 21-इंच का फ्रंट और 18-इंच का रियर स्पोक व्हील्स, डुअल-स्पोर्ट ट्यूब टायर्स दिए गए हैं।

Kawasaki KLX 230

इसमें में टेलिस्कोपिक फोर्क (240mm व्हील ट्रैवल) और मोनोशॉक (250mm व्हील ट्रैवल) को शामिल किया गया है। इसमें ब्रेकिंग के लिए फ्रंट में 265mm डिस्क और रियर में 220mm डिस्क ब्रेक दिया गया गै। इसमें भी डुअल-चैनल ABS दिया गया है। Lander 250 की तरह ही KLX 230 में भी 21-इंच का फ्रंट और 18-इंच का रियर स्पोक व्हील्स, डुअल-स्पोर्ट ट्यूब टायर्स दिए गए हैं।

अधिक घंटे अधिक उत्पादकता के बराबर होता है

विजय गर्ग

प्रभावकारिता, जवाबदेही और स्वामित्व की एक मजबूत भावना एक उत्पादक और अभिनव कार्यबल की खेती में एक बड़ी भूमिका निभाती है विस्तारित काम के घंटों की वकालत करने वाले प्रमुख भारतीय व्यापार नेताओं द्वारा हाल के बयानों ने उद्योगों और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण बहस पैदा कर दी है। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने युवा पीढ़ी के लिए 70 घंटे के वर्कवेक का सुझाव दिया, जबकि लार्सन एंड टुब्रो के चेयरपर्सन के एन सुब्रह्मान्याई ने विचार को और आगे बढ़ाया, जिसमें रविवार सहित 90 घंटे के वर्कवेक का प्रस्ताव था। जबकि उनका इरादा - प्रतिस्पर्धा और दक्षता को प्रोत्साहित करने के लिए - सराहनीय है, विस्तारित काम के घंटों पर जोर एक महत्वपूर्ण बिंदु को याद करता हैः काम किए गए घंटों की संख्या सफलता का प्राथमिक निर्धारक नहीं है। प्रभावकारिता, जवाबदेही, विश्वास और स्वामित्व की भावना एक उत्पादक और प्रतिस्पर्धी कार्यबल बनाने में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वैश्विक स्तर पर ₹अधिक घंटे अधिक उत्पादकता के बराबर₹ की गिरावट, डेटा और अनुसंधान ने लगातार दिखाया है कि लंबे समय तक काम के घंटे सीधे उत्पादकता में वृद्धि के साथ सहसंबंधित नहीं होते हैं। संगठन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के एक अध्ययन के अनुसार, कम औसत कार्य घंटों वाले देश अक्सर उत्पादकता में उच्चतर रैंक करते हैं। उदाहरण के लिए, जर्मनी - अपने मजबूत औद्योगिक आधार के लिए जाना जाता है - प्रति सप्ताह 34.6 घंटे काम करता है और दुनिया में उच्चतम उत्पादकता स्तरों में से एक का दावा करता है। इसके विपरीत, मेक्सिको जैसे देश, जहां वर्कवेक 42 घंटे से अधिक तक फैले हुए हैं, उत्पादकता दर में काफी कम रिपोर्ट करते हैं। मानव मस्तिष्क में निरंतर फोकस और रचनात्मक सोच के लिए एक परिमित क्षमता है। लंबे समय तक अक्सर कम रिटर्न, बर्नआउट में वृद्धि और त्रुटियों की उच्च दर होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्ययनों ने भी अत्यधिक काम के घंटों के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों पर प्रकाश डाला है, जिससे उन्हें हृदय रोगों और मानसिक स्वास्थ्य विकारों से जोड़ा गया है। इसके अलावा, प्रेजेंटिज्म की अवधारणा-शारीरिक रूप से मौजूद है, लेकिन मानसिक रूप से विघटित है- विस्तारित काम के घंटों का अक्सर अनदेखा परिणाम है। ओवरवर्क किए गए कर्मचारी उत्पादक दिखाई दे सकते हैं, लेकिन उच्च गुणवत्ता वाले आउटपुट को वितरित करने की संभावना कम है। यह केवल उन्हें विस्तारित करने के बजाय अधिकतम प्रभावकारिता के लिए काम के घंटों के अनुकूलन के महत्व को रेखांकित करता है। वास्तव में उत्पादकता क्या है? मात्रा पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, व्यापार नेताओं को प्रवचन को गुणवत्ता में स्थानांतरित करना चाहिए। उत्पादकता डेस्क या दुकान के फर्श पर बिताए समय के बारे में नहीं है, लेकिन उस दौरान जो हासिल किया जाता है। तीन प्रमुख कारक इसमें योगदान करते हैं: 1। प्रभावकारिताः प्रभावकारिता केवल अधिक करने के बजाय चीजों को सही करने पर जोर देती है। इसमें प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, वर्कफ़्लो का अनुकूलन करना और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है। टोयोटा जैसे संगठनों ने लीन और काइज़न जैसी कार्यप्रणाली के माध्यम से इस सिद्धांत को चैंपियन बनाया है, जो कचरे को कम करने और दक्षता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। 2। जवाबदेहीः कर्मचारियों को उनके काम का स्वामित्व लेने के लिए सशक्त बनाना जवाबदेही को बढ़ावा देता है। जब व्यक्ति परिणामों के लिए जिम्मेदार महसूस करते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अपने प्रयासों को संरेखित करते हैं।गूगल के उकेआर (उद्देश्य और प्रमुख परिणाम) ढांचा यह उदाहरण देता है कि कैसे स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य और पारदर्शी जवाबदेही असाधारण परिणामों को चला सकते हैं। जवाबदेही की भावना यह सुनिश्चित करती है कि समय का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाता है और परिणाम केवल गतिविधि पर प्राथमिकता देते हैं। 3। स्वामित्व आत्माः स्वामित्व की भावना कर्मचारियों को निष्क्रिय प्रतिभागियों से सक्रिय योगदानकर्ताओं में बदल देती है। इस आवश्यकता हैएक ऐसी संस्कृति का निर्माण करें जहां कर्मचारियों को लगता है कि उनके काम का एक उद्देश्य है और उनके योगदान को महत्व दिया जाता है। स्टार्टअप अक्सर इस संस्कृति का उदाहरण देते हैं, कर्मचारियों के ऊपर और परे लंबे समय के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि वे कंपनी के मिशन में विश्वास करते हैं। जब कर्मचारी भावनात्मक रूप से निवेश करते हैं, तो उनकी रचनात्मकता और प्रतिबद्धता स्वाभाविक रूप से बढ़ती है, जिससे संगठन अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाता है। कार्य-जीवन संतुलन की भूमिका कार्य-जीवन संतुलन एक ₹लक्जरी₹ नहीं है, बल्कि निरंतर प्रदर्शन के लिए एक आवश्यकता है। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू नोट करता है कि संतुलित जीवन वाले कर्मचारी 21 प्रतिशत अधिक उत्पादकता प्रदर्शित करते हैं और बर्नआउट का अनुभव करने की संभावना 57 प्रतिशत कम हैं। इसके अलावा, एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन रचनात्मकता, समस्या-समाधान और भावनात्मक लचीलापन-आज के गतिशील कारोबारी माहौल में सभी आवश्यक लक्षणों को बढ़ावा देता है। कार्य-जीवन संतुलन की आवश्यकता का सम्मान करने वाले देश और कंपनियां पुरस्कारों को वापस ले रही हैं। उदाहरण के लिए, स्कैंडिनेवियाई राष्ट्र, कार्य-जीवन संतुलन पर अपने मजबूत जोर के साथ, लगातार नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांकों पर दूसरों को बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इसी तरह, माइक्रोसॉफ्ट जापान जैसी कंपनियों, जिन्होंने चार दिवसीय वर्कवेक के साथ प्रयोग किया, ने बिजली की लागत को कम करते हुए और कर्मचारी संतुष्टि को बढ़ाते हुए उत्पादकता में 40 प्रतिशत की वृद्धि की सूचना दी। लचीली काम करने की व्यवस्था दुनिया भर में तेजी से प्रचलित हो रही है। -पांडमिक दुनिया में हाइब्रिड कार्य मॉडल के उदय से पता चला है कि लचीलापन और जवाबदेही सह-अस्तित्व और थ्राइव है। यह बदलाव इस बात पर प्रकाश डालता है कि घंटों काम किया और कर्मचारियों को ड्राइव परिणामों को प्रदान किए गए स्वायत्तता, विश्वास और संसाधन। नेताओं को काम पर बिताए गए समय के लिए पूरी तरह से जुड़ी सफलता की पुरानी धारणाओं को वापस करने के बजाय इन नए प्रतिमानों को गले लगाना चाहिए। इतिहास से सबक ऐतिहासिक साक्ष्य आगे लंबे समय तक काम के घंटों के लिए तर्क को कम करते हैं। औद्योगिक क्रांति के दौरान, श्रम आंदोलनों ने आठ घंटे के कार्यदिवस के लिए लड़ाई लड़ी, यह मानते हुए कि ओवरवर्किंग ने शारीरिक थकावट और दक्षता में गिरावट का कारण बना। फोर्ड मोटर कंपनी के संस्थापक, हेनरी फोर्ड के 1920 के दशक में पांच-दिवसीय, 40-घंटे के वर्कवेक को लागू करने के फैसले को परोपकारिता द्वारा नहीं बल्कि एक यह एहसास हुआ कि अच्छी तरह से आराम से कर्मचारी अधिक उत्पादक और अभिनव थे। उनके दृष्टिकोण ने उत्पादकता में सुधार किया और आधुनिक श्रम प्रथाओं के लिए एक मिसाल कायम की। 21 वीं सदी में, प्रौद्योगिकी ने इस सिद्धांत को बढ़ाया है। स्वचालन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और डिजिटल उपकरण कर्मचारियों को घंटों को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं जो एक बार दिन लगते थे। मानव धीरज पर भरोसा करने के बजाय, संगठनों को उत्पादकता बढ़ाने और रणनीतिक, उच्च-मूल्य कार्यों के लिए कर्मचारियों को मुक्त करने के लिए इन उपकरणों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। प्रतिस्पर्धात्मकता को फिर से शुरू करना भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश काम के भविष्य को आकार देने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। दुनिया के सबसे कम उम्र के कर्मचारियों में से एक के साथ, ध्यान कौशल बढ़ाने, रचनात्मकता को बढ़ाने, और एक उद्यमी मानसिकता का पोषण करने पर होना चाहिए - काम के घंटों का विस्तार करने पर नहीं। उनके कार्यबल को समाप्त करना। इसके अतिरिक्त, लचीले काम की व्यवस्था शुरू करने से सगाई और आउटपुट में सुधार करते हुए कर्मचारियों की विविध आवश्यकताओं में टैप करने में मदद मिल सकती है। चुनौतियों का समाधान करना कम या अनुकूलित काम के घंटों की वकालत करते हुए, चुनौतियों को स्वीकार करना आवश्यक है। उच्च परिचालन मांगों वाले उद्योग, जैसे कि विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा, इसे चुनौती दे सकते हैंजी सेवा वितरण से समझौता किए बिना काम के घंटों को कम करने के लिए। ऐसे मामलों में, कंपित शिफ्ट, बेहतर कार्यबल योजना और स्वचालन में निवेश जैसे समाधान कर्मचारी कल्याण के साथ परिचालन आवश्यकताओं को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं। इसी तरह, सीमित संसाधनों के साथ छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) उत्पादकता के लिए जोखिम के रूप में कम काम के घंटे देख सकते हैं। हालांकि, यहां तक कि इन संगठनों को प्रोसेस ऑप्टिमाइज़ेशन और लक्षित कौशल विकास जैसी दक्षता-केंद्रित रणनीतियों को अपनाने से लाभ हो सकता है। इस तरह से एक उदार व्यापार नेता, मैं दृढ़ता से मानता हूं कि सफलता महत्वाकांक्षा और स्थिरता के बीच सही संतुलन को प्रभावित करती है। जबकि कड़ी मेहनत और समर्पण अपरिहार्य हैं, उन्हें अभिनव रणनीतियों, सहायक संस्कृतियों और परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। कर्मचारियों को सप्ताह में 70 या 90 घंटे घड़ी के लिए पूछने से अल्पकालिक परिणाम मिल सकते हैं, लेकिन यह बर्नआउट, विघटन, और स्वास्थ्य में गिरावट के रूप में दीर्घकालिक परिणामों को जोखिम में डालता है। ₹ प्रभावकारिता, जवाबदेही, विश्वास और एक स्वामित्व भावना को बढ़ावा देने से, भारतीय व्यवसाय अपनी सबसे बड़ी संपत्ति-उनके कार्यबल की भलाई का सम्मान करते हुए प्रतिस्पर्धा और दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। आखिरकार, यह आपके लिए घंटों नहीं है

नवाचार का स्वीकार

विजय गर्ग

शब्द भाषा और मनुष्य दोनों का अंतरंग है । जो कुछ भी अनकहा हो, उसे न कहा जाए तो जो कहा गया है, उसमें वह अबाध्य शामिल हो जाता है। जीवन उस अबाध्यता को साध लेता है। यह अव्यक्त का रहस्य ही है जो हमें बांधे रखता है जीवन से । जिंदगी अपनी शर्तें उस जीवन से ही लेती है, जिसके साथ उसे चलना है। उनकी कोई सामाजिक प्रासंगिकता भले न हो, लेकिन निज जरूर होती है। जीवन की अवधारणा परिवर्तन की उस लय से नितांत भिन्न होती है, जिसमें हम भविष्य का कल्प रचते हैं। अतीत में अनुगमन करते हुए भविष्य ही हमारे वर्तमान का निर्णायक होता है। कल्पना भले ही विलास की चीज नहीं है, लेकिन जीवन के प्रयोगों में उसका एक कोना सुनिश्चित है। इतिहास किसी पड़ताल का ठोस आधार नहीं हो सकता। उसके लिए ठोस गवाहियों का होना जरूरी है। गवाहियों के लिए केवल भाषा काफी नहीं है। ठीक उसी तरह, जैसे विद्रोह करने के लिए सिर्फ असहमति नाकाफी है। बिना किसी नैतिक आधार के विद्रोह भी महज निजी उत्कंठा बनकर रह जाता जाता है । इतिहास हमारे समकाल के लिए एक सहायक तत्त्व होता है, जिसके द्वारा समकालीन जीवन की विसंगतियों का अनुशीलन होता है । अतीत के वे तमाम लक्षण भी उस इतिहास में मौजूद होते हैं, जिसकी झलकें हम अपने आज में देखते हैं, लेकिन वह महज इतिहास नहीं होता। उसमें स्मृतियां होती हैं, समय होता है, मिथक होते हैं । यह जरूरी नहीं कि वह बहुत गहरा और उदार भी हो ।

अब जबकि सृजन, समय और भूगोल का स्थान भी पार कर गया है, कुछ प्रश्नों से हमें जूझना होगा। सृजन केवल बम फेंकने की त्रासदी से नहीं उपजता । या कहीं युद्धों, महायुद्धों, बाढ़ या भूकम्प से उपजने की राह देखता है। सृजन का संवेदन तत्त्व तो बिना घटना के भी शाश्वत रूप में अंतर्निहित है। वह तो बछिया को दूध पीते भी फूट पड़ता है, वह संतान - जन्म के हुए आभास और उसकी मृत्यु की आशंका दोनों में रचता है। सृ समाज की एक और विसंगति उपजी । कफन खरीदने के लिए बाप- बेटे बाजार जाते हैं। देखते-देखते शाम हो जाती है, पर कोई पसंद

दैवी नहीं आता। दोनों ही सामाजिक यथार्थ की आलोचना करते हुए प्रेरणा से मधुशाला पहुंच जाते हैं। ऐसे में भाव संज्ञा सृजन का मूल होते हुए भी कुछ बहसें निरर्थक लगती है। मगर यह सत्य है कि च को निर्मम और तटस्थ हुए बगैर नहीं देखा जा सकता... इतिहास को लौटाया नहीं जा सकता है और न वर्तमान की प्रक्रियाओं को अतिक्रमित कर भविष्य को पाया जा सकता है, लेकिन वर्तमान की चोट से बौखलाए लोगों में इतिहास और भविष्य की तरफ लपकने की प्रवृत्ति अवश्य सक्रिय हो जाती है। जरूरी है साहित्य में भाषागत आचार संहिताओं के साथ नवाचार का स्वागत हो । अपने समय के विद्रूप से टकराना लेखक की बाध्यता है। वह इससे पलायन नहीं कर सकता। इनसे टकराने और इनके समाधान खोजने का उद्यम अतीत में जाकर भी हो सकता है, क्योंकि कोई भी विसंगति अनायास नहीं होती। इसकी जड़ें अतीत में सुदूर होती हैं ।

जीवन-जगत के परिवर्तनों के साथ-साथ बदलते जाते हैं मानवीय रिश्ते और उसी के समांतर साहित्य-सृजन में भी परिवर्तन आता जाता है । लेखकों को ही नहीं, दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को नवाचारों का सहारा लेकर अपने समकाल को सुंदर बनाने का उद्यम करना होता है। संस्कृति का जिस 'लोक' से, श्रमशील जनता से सीधा संबंध था, वह 'लोक' बदलाव के साथ क्रमशः गौण होता गया। जन-संस्कृति के स्थान पर धन- संस्कृति और अभिजन संस्कृति प्रमुख होती गई। यह संशय सत्य में न बदल जाए कि भारत के प्रत्येक शहर में अमेरिका है। हम केवल लेखक होकर ही संवेदनशील नहीं हो सकते। अगर हमारे पास मूल्य हैं जीवन के तो हम बिना किसी विशेषण भी समाज के नवाचार में बहुत कुछ चुप्पी के साथ दे सकते हैं। इसीलिए कवि जहां मनीषी होता है, वहीं मूल्यान्वेषी भी होता है । ऐसे में बहुत कुछ थोपा नहीं जाएगा, क्योंकि बहुत कुछ थोपे गैर भी हमारे भीतर बना रहेगा । उससे तो हमें जूझना ही है । फिर नए से व्यथित क्यों? समय के साथ मोह भंग तो नहीं होता, रूपांतरित होता है और उस रूपांतरण में हम उसे बेखबर से छोड़ देते हैं, अपने सहज रूप में उलझने के लिए।

पर्दे हटते हैं और हम प्रक्रियाओं को घटित होते देखते हैं। प्रक्रियाएं जो वर्चस्व के संसार का प्रतिलोम भी हैं। वर्तमान में घिसकर एक विचार किसी औजार की तरह भविष्य में धारदार हो जाता है। हम उस धार में कितने मनुष्यगामी बने रहते हैं ? नए खिलौनों और कपड़ों की तरह हम बहुत कुछ स्वीकार रहे हैं । इतिहास या अतीत भी आखिरकार अतीत के मस्तक पर वर्तमान लिखा जाता है। मधुमक्खियों छत्ते हों या बया का घोंसला, सदियों से एक जैसा ही बना रहा। भला उनकी प्रकृति क्यों नहीं बदली ? मनुष्य के पास सृजन और पुनर्मृजन की क्षमता और

सामर्थ्य है। इसलिए वह विविधता के साथ जीने का आदी हो गया है । प्रश्न यही है उस विविधता में जीवन मूल्य कितने हैं । चिर पुरा, चिर नवीन जीवन से अभिन्न है। उनकी प्रासंगिकता ही उनका चलन बनाए रखती है। फिर पीढ़ी कोई भी हो, इसलिए बदलाव के भी कुछ स्थायी भाव हो सकते हैं।

रचनात्मक व्यक्ति इसे अपने तरीके से व्यक्त करता है, चाहे स्थिति कैसी भी हो । तब भी, जब वह कहीं किसी पुल गुजर रहा होता है या किसी नदी के तट पर रहकर किसी ऐसी सड़क को पार कर जाता है, जिसमें उसकी अव्यक्त स्वतंत्रता का रहस्य छिपा है। स्वतंत्रता केवल अभिव्यक्ति की नहीं होती 'अव्यक्त' की भी होती है। 'अव्यक्त' की सत्ता एक व्यवस्था भी है।

उद्योगों और करियर को आकार देने में खेल की परिवर्तनकारी शक्ति

विजय गर्ग

खेल पर्यटन को 2032 तक $ 1.33 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। यह आँकड़े इस गतिशील उद्योग के भीतर बहुत कैरियर की क्षमता को रेखांकित करते हैं पिछले साल के परिभाषित क्षणों को दर्शाते हुए, यह स्पष्ट हो जाता है कि कई खेलों के दायरे में निहित हैं। जर्मनी में पेरिस ओलंपिक और यूईएफए यूरो 2024 जैसे वैश्विक घटनाओं से टूर डी फ्रांस, फीफा विश्व कप, और साप्ताहिक फॉर्मूला 1 और मोटोगपी ग्रां प्री रेस जैसे चश्मे तक, खेल यात्रा, पर्यटन और उपभोक्ता खर्च को जारी रखते हैं। अभूतपूर्व पैमाने। खेल का आर्थिक महत्व चौंका देने वाला है। स्पोर्ट्स ग्लोबल मार्केट रिपोर्ट 2024 के अनुसार, वैश्विक खेल बाजार 2023 में $ 480 बिलियन से बढ़कर 2024 में $ 500 बिलियन से अधिक हो गया है, जो 5.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। स्पोर्ट्स टूरिज्म, एक तेजी से विस्तार करने वाले सेगमेंट, को 2032 तक $ 1.33 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि 10 प्रतिशत की मिश्रित वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। ये आंकड़े न केवल खेल के सार्वभौमिक आकर्षण बल्कि इस गतिशील उद्योग के भीतर बहुत अधिक कैरियर की क्षमता को रेखांकित करते हैं। यह विकास एक बदलाव का संकेत देता है कि संगठन प्रशंसकों और हितधारकों को कैसे संलग्न करते हैं। आज, खेल व्यवसाय क्यूरेट, इमर्सिव और अविस्मरणीय अनुभव देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो एक स्थायी छाप छोड़ते हैं। इन अनुभवों को तैयार करने के लिए एक संगठन की क्षमता द्वारा सफलता को तेजी से परिभाषित किया जाता है, जो उद्योग के विकास की आधारशिला बन गया है। यह परिवर्तन छात्रों और पूर्व छात्रों की महत्वाकांक्षाओं में दिखाया गया है। कई लोग खेल-संबंधित करियर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें स्नातक फीफा, फॉर्मूला 1, नाइके और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति जैसे प्रमुख संगठनों के भविष्य को प्रभावित कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति पेशेवरों, एथलीटों और हितधारकों के लिए सहज, उच्च गुणवत्ता वाले अनुभव बनाने के लिए आतिथ्य और व्यापार कौशल को सम्मिश्रण करने के लिए पेशेवरों की बढ़ती मांग पर प्रकाश डालती है। आतिथ्य के विस्तार के दायरे ने भी खेल क्षेत्र में अपनी भूमिका को फिर से आकार दिया है। आतिथ्य अब होटल और रेस्तरां तक ही सीमित नहीं है; यह अब विविध संदर्भों में यादगार अनुभवों के डिजाइन और प्रबंधन को शामिल करता है। चाहे वैश्विक टूर्नामेंट में वीआईपी सूट का प्रबंधन, सहज प्रशंसक यात्रा सुनिश्चित करना, या खेल पर्यटन के लिए लक्जरी यात्रा पैकेजों को तैयार करना, आतिथ्य सिद्धांत खेल उद्योग की सफलता के लिए अभिन्न अंग हैं। इन उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए, लेस रोच ने खेल व्यवसाय प्रबंधन और खेल पर्यटन में एक विशेष कार्यक्रम पेश किया। यह चार साल की डिग्री उम्मीदवारों, एथलीटों और उत्साही लोगों को इस प्रतिस्पर्धी उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कौशल से लैस करती है। पाठ्यक्रम में खेल संचालन, डिजिटल परिवर्तन और अनुभवात्मक विपणन अभियानों में स्थिरता शामिल है, स्नातक एक विकसित वैश्विक परिदृश्य में पनपने के लिए स्नातकों को तैयार करता है। खेल उद्योग प्रतिभा और नेतृत्व के लिए एक प्रवेश द्वार है, जिसमें पेशेवरों की बढ़ती मांग है जो नवाचार, अनुकूलन और नेतृत्व कर सकते हैं। लिंक्डइन ने 2023 में वैश्विक खेल प्रबंधन नौकरी पोस्टिंग में 23 प्रतिशत की वृद्धि की रिपोर्ट की, जिसमें यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया ने इस मांग को चलाया। यह लचीलापन, रचनात्मकता और उत्कृष्टता पर उद्योग के जोर में एक व्यापक बदलाव को दर्शाता है। आगे देखते हुए, खेल और आतिथ्य के बीच तालमेल गहरा होगा, स्थिरता, डिजिटल परिवर्तन और समावेशिता से प्रेरित होगा। इस क्षेत्र में सफलता के लिए नवाचार, उत्कृष्टता और क्राफ्टिंग की कला के साथ सम्मिश्रण जुनून की आवश्यकता हैप्रभावशाली अनुभव। यह अगली पीढ़ी के नेताओं का पोषण करने का समय है, उन्हें खेल और आतिथ्य की कभी-कभी विकसित होने वाली दुनिया में एक विरासत छोड़ने के लिए सशक्त बनाया गया है।

वोट बैंक और तुगलकी पंचायती फैसले

विजय गर्ग

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए, लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लडक़ी पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लडक़ी पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लडक़े पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज कर दिया। साथ ही फैसला देने वाले रौंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100-1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता है, वही कानून की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50-60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किंतु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत के मनमाने निर्णय पर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं, देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं।

खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था। जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायतें बेतुका बयान जारी करती रही हैं। खाप पंचायतों को न तो सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और न ही आलोचनाओं का, तभी तो उनके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरिज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था। खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए, ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाएं और पुरुष उनकी ओर आकर्षित न हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। महिला का सामाजिक बहिष्कार इसलिए किया गया था क्योंकि उसके ससुर ने उस महिला से शादी की थी, जिससे वह प्यार करता था। राजस्थान के चाकसू कस्बे में आपसी सहमति से 2022 में तलाक लेने की जानकारी समाज के अन्य लोगों को लगी तो उन्होंने जातीय पंचायत बैठाकर तलाक लेने के लिए प्रताड़ित किया और 151000 रुपए आर्थिक दंड के रूप में देने का फैसला सुनाया।

झारखंड ऐसी पंचायतों के फैसलों के लिए बदनाम रहा है। पलामू गढवा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुईं। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामलों में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाय इनमें वोट बैंक के हित ढूंढते नजर आते हैं। यह निश्चित है कि जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन लागू करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे गैरकानूनी पंचायती फैसले आते रहेंगे। ऐसी पंचायतों को कट्टरवाद की पोषक माना जाना चाहिए। स्वार्थ की राजनीति के कारण राजनीतिक दल ऐसी पंचायतों पर अंकुश लगाने की बात तो दूर, इनके खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोलते हैं। सभी दलों को एक मंच पर आकर इन तुगलकी फरमानों का विरोध करना चाहिए। समाज के जागरूक तबके को भी इस लड़ाई में शामिल किया जाना चाहिए, तभी कानून के शासन की स्थापना संभव हो पाएगी।

अब आपको कितना देना है इनकम टैक्स, टीडीएस को लेकर क्या है नियम? पढ़ें पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्रालय के मुताबिक टैक्स छूट सीमा को सात लाख से बढ़ाकर 12 लाख करने से टैक्स देने वाले एक करोड़ लोग टैक्स से मुक्त हो जाएंगे। नई व्यवस्था के तहत टैक्स के स्लैब भी बदलाव किया गया है जिससे सालाना 24.75 लाख तक कमाने वालों को फिलहाल के मुकाबले 1.10 लाख रुपए की बचत होगी। सरकार ने टीडीएस-टीसीएस में बदलाव कर भी राहत दी है।

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था के खेवनहार मध्यम वर्ग को सरकार ने इनकम टैक्स में छूट देकर अर्थव्यवस्था को भी बूस्टर देने की कोशिश की है। नई घोषणा के मुताबिक आगामी वित्त वर्ष 2025-26 में वेतनभोगियों को सालाना 12.75 लाख तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा।

अन्य लोगों को 12 लाख तक सालाना आय पर टैक्स नहीं लगेगा। यह सुविधा इनकम टैक्स की नई व्यवस्था के तहत दी गई है। नई व्यवस्था के तहत टैक्स के स्लैब भी बदलाव किया गया है जिससे सालाना 24.75 लाख तक कमाने वालों को फिलहाल के मुकाबले 1.10 लाख रुपए की बचत होगी।

8 करोड़ ने भरा आईटीआर

वित्त मंत्रालय के मुताबिक टैक्स छूट सीमा को सात लाख से बढ़ाकर 12 लाख करने से टैक्स देने वाले एक करोड़ लोग टैक्स से मुक्त हो जाएंगे। चालू वित्त वर्ष में दिसंबर तक आठ करोड़ से अधिक लोगों ने इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए थे, लेकिन इनमें से 4.9 करोड़ लोगों ने अपनी आय जीरो टैक्स वाली दिखाई थी।

यानी कि सिर्फ 3-3.15 करोड़ लोग ही देश में टैक्स देते हैं। टैक्स मुक्त आय की सीमा बढ़ाने एवं टैक्स स्लैब में बदलाव से सरकार को सालाना एक लाख करोड़ के राजस्व का नुकसान होगा, लेकिन इसके बावजूद टैक्स कलेक्शन की बढ़ोतरी जारी रहेगी।

पुरानी टैक्स व्यवस्था होगी खत्म

आगामी वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर की बढ़ोतरी दर 14.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। पुरानी टैक्स व्यवस्था को सरकार धीरे-धीरे खत्म करना चाहती है, इसलिए वहां कोई बदलाव नहीं किया गया है। 75 प्रतिशत से अधिक टैक्सपेयर्स टैक्स की नई व्यवस्था को स्वीकार चुके हैं।

टैक्स में छूट का इस बड़े फैसले को धीमी होती अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ाने से जोड़ कर देखा जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मुताबिक मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ की जो राहत दी गई है वह खपत या फिर बचत के रूप में अर्थव्यवस्था में वापस आ जाएगी। सीतारमण के मुताबिक वर्ष 2014 में सालाना 12 लाख कमाने वाले दो लाख रुपए का टैक्स देते थे।

अब इतनी कमाई करने वाले कोई टैक्स नहीं देंगे। कंज्यूमर गुड्स. छोटी कार व अन्य उपभोग की वस्तुओं की बिक्री बढ़ने से मांग निकलेंगी जो अर्थव्यवस्था की पहिया को गति देगी। छोटी कार व कंज्यूमर गुड्स की मांग में चालू वित्त वर्ष में खास बढ़ोतरी नहीं दिख रही है जिससे मैन्यूफैक्चरिंग प्रभावित हो रहा है।

टीडीएस-टीसीएस में भी बदलाव

इनकम टैक्स के साथ सरकार ने टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (टीडीएस) व टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) नियमों में बदलाव कर भी राहत दी है। टेक्निकल या प्रोफेशन फीस, कमीशन, ब्रोकरेज, किराए, विदेश भेजी गई रकम पर टीडीएस व टीसीएस कटौती की सीमा को बढ़ा दी गई है।

लोन लेकर विदेश में बच्चों की पढ़ाई के लिए भेजी गई रकम पर अब टीसीएस नहीं कटेगा। अन्य मद में 10 लाख तक विदेश भेजने वाली रकम पर भी टीसीएस नहीं कटेगा। चार्टर्ड एकाउंटेंट एम.के गुप्ता ने बताया कि अभी जिन माता-पिता की आय टैक्स के लायक नहीं है, और वे लोन लेकर अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते हैं तो उन्हें भी टीसीएस लग जाता था।

बढ़ा दी गई सीमा

वरिष्ठ नागरिकों की 50000 रुपए से अधिक की बचत ब्याज राशि पर टीडीएस लग जाता था जिसकी सीमा अब एक लाख कर दी गई है। हालांकि बाद में क्लेम करने पर यह राशि वापस मिल जाती है, लेकिन इसमें राहत मिलने से अब लोगों के हाथ अधिक पैसे आएंगे जिससे भी खपत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

टैक्स एक्सपर्ट हिमांशु कुमार ने बताया कि बजट में किराए पर टीडीएस सीमा को 2.40 लाख से बढ़ाकर छह लाख करने से छोटे मकान मालिक को बड़ी राहत मिलेगी। इस नियम से कर अनुपालन आसान होगा और छोटे मकान मालिक की खपत योग्य आय भी बढ़ेगी।

सरकार संसद में लाएगी जन विश्वास विधेयक 2.0, गैर आपराधिक होंगे 100 से अधिक कानूनी प्राविधान

परिवहन विशेष न्यूज

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में विभिन्न कानूनों से जुड़े 100 से अधिक प्रविधानों को गैर आपराधिक बनाने का एलान किया है। इसके लिए जल्द ही सरकार जन विश्वास विधेयक 2.0 संसद में पेश करेगी। इसके साथ ही सरकार ने इज आफ डुइंग बिजनेस को आगे बढ़ाते हुए कई कानूनी प्रविधानों के अनुपालन में छूट देने का ऐलान किया है।

नई दिल्ली। निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और इज आफ डुइंग बिजनेस की दिशा में अहम कदम का एलान करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में विभिन्न कानूनों से जुड़े 100 से अधिक प्रविधानों को गैर आपराधिक बनाने का एलान किया है। इसके लिए जल्द ही सरकार जन विश्वास विधेयक 2.0 संसद में पेश करेगी।

कई कानूनी प्रविधानों के अनुपालन में छूट देने का ऐलान

इसके पहले 2023 में सरकार ने जन विश्वास अधिनियम बनाकर 180 से अधिक कानूनी प्रविधानों को गैर आपराधिक बना दिया था। इसके साथ ही सरकार ने इज आफ डुइंग बिजनेस को आगे बढ़ाते हुए कई कानूनी प्रविधानों के अनुपालन में छूट देने का ऐलान किया है।

दरअसल भारत में कई तरह के कानूनी प्रविधानों का अनुपालन निवेश की राह में बड़ी बाधा के रूप में देखा जाता रहा है। उदाहरण के तौर पर कंपनी कानून 2013 में 176 ऐसे प्रविधान हैं, जिनमें तीन महीने से लेकर 10 साल तक की सजा हो सकती है।

मामूली उल्लंघन के मामले में खत्म होगी सजा

इसी तरह से ड्रग्स एंड कॉस्मैटिक एक्ट और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट के कई प्रविधान आपराधिक हैं, जिनके उल्लंघन की स्थिति में सजा हो सकती है। माना जा रहा है कि जन विश्वास विधेयक 2.0 में इन कानूनों में मामूली उल्लंघन के मामले में सजा के प्रविधान को खत्म किया जा सकता है।

2023 के जन विश्वास अधिनियम में कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और पेंटेट जैसे कानूनों में मामूली उल्लंघन को गैर-आपराधिक बनाया गया था। दरअसल सरकार निवेशकों व उद्योगपतियों को सिर्फ मुनाफा कमाने वाले के बजाय वेल्थ क्रियेटर (संपत्ति निर्माता) के रूप में देखती रही है, जो बड़े पैमाने पर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करता है।

जाहिर है सरकार इन वेल्थ क्रियेटर्स के लिए काम करने की राह आसान बनाने की कोशिश कर रही है। इसी के तहत आयातकों को राहत देते हुए आयात शुल्क के मामले की जांच का दायरा चार साल से घटाकर दो साल कर दिया गया है। यानी अब सिर्फ आयात शुल्क जुड़े दो साल तक के मामलों की ही जांच की जा सकेगी।

आयात शुल्क की सात दर खत्म

इसके साथ ही सरकार ने आयात शुल्क की सात दरों को खत्म कर दिया गया है। इसके पहले भी आयात शुल्क की सात दरें हटाई जा चुकी है। इस तरह अब केवल शून्य दर सहित आठ दरें रह जाएंगी।

मिडिल क्लास की 'बारह', युवा, किसान और महिलाओं को बजट में क्या-क्या मिला?

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025-26 के जरिए मध्य वर्ग की सुध ली और 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स दायरे से बाहर रखने की एक ऐसी बड़ी घोषणा की जो इकोनॉमी की नैया भी पार लगा सकती है लोगों के एक बड़े वर्ग को राहत भी दे सकती है और सरकार को राजनीतिक रूप से फायदा भी पहुंचा सकती है।

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितता के गहराते बादल और सुस्त होती ग्रोथ रेट की आशंकाओं के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025-26 के जरिए मध्य वर्ग की सुध ली और 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स दायरे से बाहर रखने की एक ऐसी बड़ी घोषणा की, जो इकोनॉमी की नैया भी पार लगा सकती है, लोगों के एक बड़े वर्ग को राहत भी दे सकती है और सरकार को राजनीतिक रूप से फायदा भी पहुंचा सकती है।

वित्त मंत्री ने पांच वर्षों का रोडमैप भी दिया

वित्त मंत्री ने विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए अगले पांच वर्षों का रोडमैप भी दिया है और राजकोषीय संतुलन साधने में अपनी सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति दिखाते हुए अगले छह वर्षों के दौरान राजकोषीय घाटे को मौजूदा 4.8 फीसद से घटा कर तीन फीसद के करीब लाने के इरादे जाहिर किये हैं।

सुधारों की राह पर बीमा क्षेत्र को विदेशी निवेश के लिए पूरी तरह से खोलने के अलावा अन्य किसी बड़े आर्थिक सुधारों का जज्बा दिखाने से परहेज किया गया है। हालांकि दीर्घकालिक मूलभूत सुधारों की ज्यादा परवाह दिखती है और पहली बार राज्यों के स्तर पर लाइसेंस राज खत्म करने की मंशा भी दिखाई गई है।

वोट बैंक को साध रही सरकार

पीएम नरेन्द्र मोदी व वित्त मंत्री सीतारमण ने पूर्व में कई बार मध्यम वर्ग आय कर दाताओं की बात कही है। इस बार कदम भी उठाया गया। आय कर छूट की सीमा सात लाख रुपये सालाना से बढ़ा कर सीधे 12 लाख रुपये करने को सरकार की तरफ से अपने "मध्य वर्ग" वोट बैंक को साधने के तौर पर देखा जा रहा है।

वित्त मंत्री ने सीतारमण ने कहा है कि इससे आम करदाता के पास 1.1 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि उपलब्ध होगी जिससे घरेलू मांग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वैसे इस घोषणा का अगले हफ्ते दिल्ली में होने वाले विधान-सभा चुनाव में भी असर दिख सकता है। बिहार के लिए चार बड़ी घोषणाएं भी सरकार की राजनीति मिशन की तरफ इशारा करते हैं। बिहार में इसी साल चुनाव होने वाले हैं।

छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए नई घोषणाएं की गई

इसके अलावा निर्यात व मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए की गई कई घोषणाएं रोजगार के मुद्दे पर विपक्षी दलों की तरफ से उठाए जा रहे सवालों को जवाब देने की कोशिश है। देश की छोटी व मझोली औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देने की जो घोषणाएं की गई हैं वो भी रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में मददगार साबित होंगी। चमड़ा, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, खिलौना जैसे ज्यादा रोजगार देने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए नई घोषणाएं की गई हैं।

सुधारों को लेकर वित्त मंत्री सीतारमण बहुत जल्दबाजी में नहीं है। पिछले बजट में भी उनका रूख कुछ ऐसा ही था। बीमा सेक्टर में विदेशी निवेश की सीमा मौजूदा 76 फीसद से बढ़ा कर 100 फीसद करना, पुरानी नीतियों को ही आगे बढ़ाना वाला है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कही थी ये बात

एक दिन पहले पेश आर्थिक सर्वेक्षण में और शनिवार को वित्त मंत्री सीतारमण के प्रेस कांफ्रेंस में भी यह संकेत दिया गया कि मौजूदा हालात में घरेलू मांग को बढ़ा कर देश की आर्थिक रफ्तार को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। यही वजह है कि दूसरे देशों के साथ होने वाले निवेश समझौतों को लेकर भी सरकार सचेत है और इस बजट में "फर्स्ट डेवलप इंडिया" का नारा दिया गया है जो बहुत हद तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के "मेक अमेरिका ग्रेट एगेन" जैसा प्रतीत होता है। वित्त मंत्री ने दूसरे देशों के साथ होने वाले निवेश समझौतों को संशोधित करने की बात भी कही है।

आम बजट के जरिए सरकार ने यह भी दिखाया है कि मौजूदा अनिश्चितता के दौर में उन सुधारों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए जो दीर्घकालिक तौर पर असर डालते हैं। ऐसे में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए जमीनी तौर पर कुछ कदम उठाये गए हैं। पहली बार आम बजट के जरिए राज्यों में लाइसेंस राज और प्रमाणीकरण की आड़ में आम जनता व उद्योग जगत की मुसीबत को दूर करने की कोशिश भी है। इन सुधारों पर सुझाव देने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की गई है जिसके सुझावों पर राज्यों के बीच निवेश आकर्षित करने की नई होड़ की शुरुआत हो सकती है।

वित्त मंत्री ने अपने बजट अभिभाषण की शुरुआत में यह स्वीकार किया कि भू-राजनीतिक परिस्थितियों की वजह से वैश्विक आर्थिक विकास की संभावनाएं कम हो गई हैं लेकिन भारत सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है।

सरकार का राजकोषीय संतुलन की राह पर पूरी तरह से मुस्तैद

बजटीय प्रावधानों को अगले पांच वर्षों के दौरान संतुलित विकास के नुस्खे के तौर पर पेश करते हुए सीतारमण ने पूरे देश को गरीबी से मुक्ति, सभी को अच्छी स्कूली शिक्षा, बेहतरीन व सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं, सौ फीसद कुशल श्रम और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की बात कही है। हालांकि इन लक्ष्यों को हासिल कैसे करेंगे, इसको लेकर वह बहुत स्पष्ट नहीं है। संभवतः आने वाले दिनों में इस बारे में सरकार की नीतियां ज्यादा स्पष्ट होंगी।

विकास दर के घटने की संभावनाएं के बीच इकोनमी के लिए सबसे बड़ा शुभ संकेत यह है कि सरकार का राजकोषीय संतुलन की राह पर पूरी तरह से मुस्तैद है। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे का स्तर 4.8 फीसद है जबकि अगले वर्ष इसके घट कर 4.4 फीसद आने का अनुमान वित्त मंत्री ने पेश किया है।

कम उत्पादकता वाले जिले होंगे धन धान्य, 'राज्यों के साथ होगी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' की शुरुआत

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अंग्रेजी के ज्ञान शब्द को ध्यान में रखकर गरीब युवा अन्नदाता एवं नारी सशक्तिकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव का खाका खींचा है। इसके लिए राज्यों से मिलकर प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की शुरुआत की जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि गरीबी मुक्त भारत के लिए गरीबी मुक्त गांव का संकल्प है।

नई दिल्ली। ग्रामीण आबादी को संपन्नता की ओर ले जाने एवं उनके कार्यकलाप को सहज-सुलभ बनाने में राज्यों की भी सहभागिता होगी। केंद्र सरकार उनके साथ मिलकर गांवों के विकास की कहानी लिखेगी।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अंग्रेजी के 'ज्ञान' शब्द को ध्यान में रखकर गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी सशक्तिकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव का खाका खींचा है। इसके लिए राज्यों से मिलकर 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' की शुरुआत की जाएगी।

सौ जिलों पर फोकस किया जाएगा

योजना की प्रेरणा आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सफलता से ली गई है। इसके तहत वर्तमान में चल रही कृषि योजनाओं एवं उपायों के माध्यम से कम उत्पादकता वाले, कम बुआई और औसत से कम ऋण मानदंडों वाले सौ जिलों पर फोकस किया जाएगा।

भारत के लिए गरीबी मुक्त गांव का संकल्प

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि गरीबी मुक्त भारत के लिए गरीबी मुक्त गांव का संकल्प है। ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास कर अन्य जिलों के लोगों के बराबर खड़ा करना है। परंपरागत कृषि पद्धतियों, फसल विविधता एवं खेती के तौर-तरीके को उन्नत कर उत्पादन बढ़ाया जाएगा।

गांवों में सबसे बड़ी समस्या अन्न भंडारण की आती है। इसके लिए पंचायत स्तर पर भंडारण की व्यवस्था की जाएगी। सिंचाई की सुविधाओं में सुधार किया जाएगा और छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए ऋण की उपलब्धतता सुनिश्चित की जाएगी। सरकार का मानना है कि इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को सहायता मिलेगी।

खेती में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा

बजट में कहा गया है कि राज्यों की भागीदारी से व्यापक बहु-क्षेत्रीय 'ग्रामीण समृद्धि एवं अनुकूलन' कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इससे किसानों एवं कृषि श्रमिकों का कौशल विकास होगा। खेती में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही नई तकनीक के प्रयोग से कृषि क्षेत्र में कम रोजगार की समस्या का समाधान होगा।

सरकार दावा है कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान आएगी और कृषि क्षेत्र की आय में भी वृद्धि होगी। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर को बढ़ाना है, ताकि पलायन से रोका जा सके। कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं, छोटे किसानों, युवाओं तथा भूमिहीन परिवारों के कल्याण पर केंद्रित होगा। उद्योग-धंधे को गति मिलेगी।

बैंकों से तकनीकी और वित्तीय मदद मांगी जाएगी

महिलाओं को रोजगार के जरिए वित्तीय आजादी मिलेगी। युवा कृषकों को रोजगार और व्यवसाय के मौके मिलेंगे। बैंकों से तकनीकी और वित्तीय मदद मांगी जाएगी। प्रथम चरण में सौ जिलों को शामिल किया जाएगा। बाद में योजना का विस्तार होगा।

तीन करोड़ दीदियों को लखपति बनाना है

कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को आम बजट में विकास की ललक, विश्वास की महक और विकसित भारत के निर्माण की तड़प दिख रही है। उन्होंने कहा है कि यह संपन्न, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का बजट है। ग्रामीण विकास के लिए एक लाख 88 हजार 754 करोड़ 53 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं, जो अबतक का सर्वाधिक है।

चौहान ने कहा कि ग्रामीण गरीबी दूर करने के लिए आवास के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की जरूरत है। तीन करोड़ दीदियों को लखपति बनाना है, जिसमें एक करोड़ 15 लाख से ज्यादा बन चुकी हैं। इसे आगे बढ़ाने के लिए 19 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

बजट में ग्रामीण क्रेडिट स्कोर की भी घोषणा की गई

सरकार का लक्ष्य किसी गांव को आजीविका से वंचित नहीं रहने देना है। बजट में ग्रामीण क्रेडिट स्कोर की भी घोषणा की गई। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का क्रेडिट स्कोर घोषित होगा तो उनको आसानी से बैंकों से अधिक लोन मिल सकेगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए लगभग 19 हजार रुपये का प्रविधान किया गया है।

कर्ज के बोझ को कम कर वित्तीय मजबूती की ओर अर्थव्यवस्था, राजकोषीय घाटे में कमी से बढ़ेगी विकास दर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की वजह से प्रभावित वित्तीय सेहत को अब फिर से मजबूती देने में सरकार जुट गई है। फाइनेंशियल रिस्पांस्बिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट (एफआरबीएम) एक्ट के तहत सरकार अपने राजकोषीय घाटे को कम करने के साथ कुल कर्ज अनुपात में कमी के लिए प्रतिबद्ध दिख रही है।

कर्ज का अनुपात जीडीपी की विकास दर पर भी निर्भर करेगा

बजट में वित्त वर्ष 2030-31 तक कर्ज के अनुपात को जीडीपी के 51 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। चालू वित्त वर्ष में कर्ज का अनुपात 57.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि कर्ज का अनुपात जीडीपी की विकास दर पर भी निर्भर करेगा।

अगर चालू मूल्य पर जीडीपी विकास दर अगले पांच साल में 11 प्रतिशत रहती है तो वित्त वर्ष 2030-31 में कर्ज का अनुपात जीडीपी के 48 प्रतिशत तक जा सकता है। कर्ज में कमी और राजस्व में बढ़ोतरी से राजकोषीय घाटे में भी लगातार कमी आएगी।

केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के 56.1 प्रतिशत रहने का अनुमान

चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8 प्रतिशत तो आगामी वित्त वर्ष 2025-26 में यह 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष में केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के 56.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बजट घोषणा के मुताबिक आगामी वित्त वर्ष में कुल टैक्स राजस्व 42.70 लाख करोड़ रहने का अनुमान है जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान के मुकाबले 10.8 प्रतिशत अधिक है। 42.7 लाख करोड़ में 25.20 लाख करोड़ रुपये प्रत्यक्ष कर से आने का अनुमान है।

राजकोषीय प्रबंधन से ऋण बाजारों को लाभ होना चाहिए

पीरामल इंटरप्राइजेज के मुख्य अर्थशास्त्री देबोपम चौधरी के मुताबिक बजट के राजकोषीय प्रबंधन से ऋण बाजारों को लाभ होना चाहिए। वित्त वर्ष 2026 में विकास दर 6.8 प्रतिशत या उससे कम रहने की उम्मीद है। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

कोई भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था कोरोना के बाद इस गति से राजकोषीय घाटे को कम करने में सक्षम नहीं रही है। भारत की स्थिति मजबूत हुई है। कर कटौती से भारत के विशाल मध्यम वर्ग और महत्वाकांक्षी आबादी को अतिरिक्त आय उपलब्ध हुई है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा के लिए 3,481.27 करोड़ रुपये आवंटित

केंद्रीय बजट में सुरक्षा संबंधित व्यय (एसआरई) और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष बुनियादी ढांचा योजना के लिए 3,481.27 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, क्योंकि केंद्र ने नक्सली समस्या को खत्म करने के लिए मार्च 2026 का लक्ष्य रखा है। 2024-25 के बजट में इस मद में 2,463.62 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी।

मुख्यमंत्री ने सपत्नीक सेरेंगसिया के वीरों को दी श्रद्धांजलि, योजनाओं की बौछार

4 अरब 12 करोड़ रु का 246 योजना उद्घाटित, 54,946 लाभार्थियों के बीच 3 अरब 62 करोड़ संपत्ति वितरित, 135 को नियुक्ति

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

टोटों (पश्चिमी सिंहभूम), झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज पश्चिम सिंहभूम जिला के 1837 के सेरेगसिया घाटी के उन वीरों को जिन्होंने अंग्रेज फौज को करारा जबाब दिया था, अपनी पत्नी विधायक गांडेय विधानसभा कल्पना सोरेन के साथ पहुंच कर श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि आदिवासी समुदाय के पूर्वजों की तपस्या, त्याग और बलिदान का परिणाम है कि आदिवासियों को आज एक अलग पहचान मिल रही है। हम उन शहीदों को सम्मान एवं नमन करते हैं, जिनकी बदौलत देश के विभिन्न मंचों पर अपनी आवाज बुलंद करने की हम सभी को ताकत मिलती है। हमें आदिवासी होने का फक्र है। हमें अपने शहीदों और आंदोलनकारियों पर गर्व है। वे आज ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ 1837 में हुए विद्रोह के महानायकों की याद एवं सम्मान में पश्चिमी सिंहभूम के टोंटो प्रखंड स्थित सेरेंगसिया में आयोजित शहीद दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अमर वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर योजनाओं का झडी लगा दी तथा नियुक्ति पत्र भी बांटें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश की आजादी की लड़ाई शुरू भी नहीं हुई थी उस समय से आदिवासियों ने संघर्ष करते हुए अपना लोहा मनवाया था। देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। लेकिन, आज भी सामंती ताकतों के खिलाफ आदिवासियों का संघर्ष जारी है। हम अपने आदिवासियों से आग्रह करते हैं कि वे अपने बच्चों को अच्छे से पढ़ा-लिखाये आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से मजबूत होने की हमें जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा झारखंड वीरो और शहीदों जमीन रही है। इस राज्य में इतने बलिदान दिए हैं कि यहां सालों भर शहादत दिवस मनाने की परंपरा है। नए वर्ष की पहली तारीख को खरसावां गोलीकांड के शहीदों को नमन करने के साथ इसकी शुरुआत हो जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के लिए हमें लंबा संघर्ष करना पड़ा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नेतृत्व में आदिवासियों ने लगभग 40-50 वर्षों तक संघर्ष और लड़ाई लड़ी, तब जाकर झारखंड के रूप में अलग राज्य मिला। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए नाम नही लेकर कहा - लेकिन, लगभग 18-20 वर्षों तक जिन्होंने यहां शासन किया, उन्हें राज्य के विकास तथा आदिवासियों की चिंता नहीं की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के खनिज संसाधनों से देश का खजाना भर रहा है। यहां के खनिज से पूरा देश रोशन हो रहा है। लेकिन, आज भी यह राज्य देश के सबसे पिछड़े राज्यों में गिना जाता है। इसकी वजह अलग राज्य बनने के बाद भी विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। लेकिन, जब से हमारी सरकार है, इस राज्य को आगे ले जाने का प्रयास निरंतर जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 में आपके समर्थन से हमारी सरकार बनी। लेकिन, सरकार को पूरे कार्यकाल के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। 2024 में आपके आशीर्वाद से एक बार फिर हमें मजबूत सरकार बनाने का मौका मिला। मैं आपको बताना चाहूंगा कि जहां केंद्र सरकार का महिलाओं के विकास के लिए लगभग 25-26 हज़ार करोड़ रुपए का बजट है। वहीं, हमारी सरकार आधी आबादी को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए हर महीने 15 अरब रुपए का प्रावधान किया है। झारखंड देश का पहला राज्य है, जो बहन-बेटियों को हर महीने 25-25 सौ रुपए सम्मान राशि के रूप में दे रही है।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आगाह किया कि वे उन लोगों से सावधान रहें, जो लोभ, लालच और झांसा देकर सरकार से आपको मिल रहे पैसे पर अपनी नजर गड़ाए हुए है। उन्होंने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि वे अपने पैसे कहां और कैसे खर्च करेंगी, अब सरकार राह दिखाएगी। उन्होंने जिला प्रशासन से कहा कि महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए कार्य योजना बनाएं तथा गांव और पंचायत स्तर पर कार्यशाला आयोजित कर उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि गरीबों को सिर्फ मदद की ही नहीं जरूरत है, बल्कि उन्हें उनके पैरों पर खड़ा करना है। इसके लिए उन्हें आर्थिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूती देना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसी गरीब को अपने इलाज या अन्य जरूरत के लिए सरकार से मिल रहे अनाज और बच्चों को मिली साइकिल बेचने की नौबत नहीं आएगी। हमारी सरकार ने हर गरीब परिवार को ऐसी ताकत दी है कि उन्हें सरकार से मिलने वाले अनाज या किसी अन्य सामान को बेचने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उनकी हर जरूरत को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार₹ कार्यक्रम के माध्यम से लाखों लोगों की समस्याओं का समाधान करने का कार्य किया गया है। यह सिलसिला ना रुका है और न रुकेगा। यह अनवरत जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार एक ऐसी व्यवस्था खड़ा कर रही है, जहां आपकी समस्याओं के समाधान के लिए आपके दरवाजे पर जिला और ब्लॉक प्रशासन की टीम पहुंचेगी। आपको ब्लॉक और जिला कार्यालय जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 246 विकास योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास किया। इसमें 3 अरब 15 करोड़ 27 लाख 70 हज़ार 359 रुपए की लागत से 178 योजनाओं का शिलान्यास एवं 96 करोड़ 97 लाख 26 हज़ार 600 रुपए की लागत से 68 महत्वाकांक्षी योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। इसके साथ विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के 54,946 लाभार्थियों के बीच 3 अरब 62 करोड़ 80 लाख 99 हज़ार रुपए की परिसंपत्तियां बांटी। इसमें जेएसएलपीएस के तहत 6999 दीदियों को 87 करोड़ 78 लाख रुपये का कैश क्रेडिट लिमिट तथा 6963 दीदियों को 85 करोड़ 86 लाख रुपए का बैंक लिंकेज प्रदान किया गया। इसके अलावा 135 जनों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री राम दास सोरेन, सांसद श्रीमती जोबा मांझी, विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन, विधायक निरल पूर्ति, विधायक सोनाराम सिंकू, विधायक जगत मांझी, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सुरीन, प्रमंडलीय आयुक्त हरि प्रसाद केशरी तथा जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक प्रमुख रूप से मौजूद थे।

पसमांदा विकास फाउंडेशन द्वारा शैक्षिक एवं आर्थिक जागरूकता सेमिनार का आयोजन

नेशनल माइनॉरिटी कमीशन चेयरमैन कार्यक्रम को किया संबोधित, सरकारी स्कीमों का लाभ उठाने की अपील

शम्स आगाज, नई दिल्ली: पसमांदा विकास फाउंडेशन (पीवीएफ) ने इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर, नई दिल्ली में एक सफल क़ौमी तमिली अवार्ड और शैक्षिक एवं आर्थिक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम का उद्देश्य मदरसा और आधुनिक शिक्षा के बीच की दूरी को कम करना, महिलाओं को सशक्त और मज़बूत बनाना, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार करना, कानूनी सहायता प्रदान करना और समुदाय की नींव और सुविधाओं को बढ़ाना था। नेशनल माइनॉरिटी कमीशन के चेयरमैन इकबाल सिंह लालपुरा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम को संबोधित किया, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

मुसलमानों ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जब भी जरूरत पड़ी, मुसलमानों ने अपने जान माल की कुर्बानी दी है। भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमारे नाम पर कुर्सियां तो ले लेते हैं लेकिन आम लोगों की भलाई के लिए कुछ नहीं करते।प्रधानमंत्री जी सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं और सारी योजनाएं जो दूसरों के लिए है वो अल्पसंख्यकों के लिए हैं, अल्पसंख्यकों के लिए अधिक योजनाएं भी है। मैं चाहता हूं कि योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा हो। अगर आपमें क्षमता है तो आपको आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने एक दूसरे के साथ भाईचारा बनाए रखने की अपील है साथ ही यह भी कहा कि नफरत और डर प्रगति में बड़ी बाधा है।

पसमांदा विकास फाउंडेशन के डायरेक्टर मोहम्मद मिराज राईन ने कहा, ₹इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मदरसा में आधुनिक शिक्षा अपनाने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए किया गया और मैं यहां आए सभी लोगों का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ।₹

उन्होंने कहा कि यह संगठन सिर्फ एक संगठन नहीं बल्कि यह एक सोच है। हजरत मौलाना मुर्तजा कासमी, शेखुल हदीस, मदरसा शम्सुल उलूम, ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में हजरत मौलाना कारी अंसारुल हक मजहरी द्वारा कुरान की तिलावत और हाफिज शाहदाब, दिल्ली द्वारा नते-ए-नबी का आयोजन किया गया। मुफ्ती वसीम अक्रम कासमी साहब, अध्यक्ष, मजलिस उलेमा, पीवीएफ ने स्वागत भाषण दिया, जबकि एमडी मेराज राईन, निदेशक, पीवीएफ ने विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया।

भिवानी के गाँव बड़वा में- आस्था के साथ खेल संस्कृति का प्रवाह 'लोकदेवता बाबा रामदेव मेला'

वर्तमान में कलयुग के देवता कहे जाने वाले लोक देवता बाबा रामदेव जी का जन्म स्थल राजस्थान के जैसलमेर जिले का गाँव रामदेवरा है। जहाँ अजमल जी के घर बाबा रामदेव ने जन्म लिया था। तब इनके जन्म के साथ राजा अजमल जी के घर में कुमकुम के पांव उनके घर में बने थे। बाबा रामापीर के जन्मदिवस को भगत और ग्रामीण जन अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं। पश्चिमी राजस्थान के लोक देवता बाबा रामदेव जी का मेला पूरे भारत में प्रसिद्ध है। बाबा रामदेव जी की असीम कृपा से इस वर्ष माघ शुद्धि दसवीं मेला पूरे देश में 7 फरवरी 2025 को हर्षोल्लास के साथ आयोजित होगा। जिसमें भगत और भगवान दोनों एक साथ होंगे। इसी कड़ी में राजगढ़-हिसार मुख्य सड़क मार्ग पर खंड सिवानी मंडी के गाँव बड़वा की पहचान यहाँ आयोजित होने वाले बाबा रामदेव मेला और खेल समिति के समारोह से जुड़ी है। यहाँ आयोजित होने वाले बाबा रामदेव मेले एवं खेल प्रतियोगिता का जश्न व आकर्षण का केंद्र समारोह के दौरान आयोजित करवाई जाने वाली तरह-तरह की दौड़ों, कुश्तियों, कबड्डी, मटका दौड़ और अन्य दौड़ एवं खेलों से होती है।

गाँव में हर साल बाबा रामदेव मेला एवं खेल प्रतियोगिता करवाई जाती है। इसके लिए ब्रह्म मुहूर्त के साथ बाबा रामदेव मंदिर में दीप प्रज्जवलन के बाद गाँव के राजीव गांधी खेल स्टेडियम के मैदान में ध्वजारोहण होता है। इसके बाद तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। रोहसड़ा जोहड़ स्थित बाबा रामदेव मंदिर में पूरा दिन पूजा-अर्चना होती है, और खेल मैदान में खेल प्रतियोगिताएँ। इसमें राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के हजारों लोग शामिल होते हैं। शुरुआती दौर में मेले में ऊंटों का नृत्य और दौड़ आकर्षण का केंद्र बनते थे। वर्ष 1994 से यहाँ बाबा रामदेव मेला समिति मेले का आयोजन करवाती आ रही है। उस दौरान की खेल प्रतियोगिता में

ऊंटों की दौड़ मुख्य आकर्षण का केंद्र होती थी और ऊंट मैदान में नृत्य करते थे। विजेता को सम्मानित किया जाता था। उनकी जगह अब आधुनिक खेलों ने ले ली है, जिसमे लड़कियों और महिलाओं की तरह-तरह की खेल प्रतियोगिताएँ शामिल है। इसके अलावा मेले में घोड़ों, कुश्ती, कबड्डी, मटका दौड़ महिलाओं के लिए तरह-तरह की दौड़ के विजेताओं को भी बड़े-बड़े नाम देकर सम्मानित किया जाता है, बाबा रामदेव मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है लेकिन यहाँ मेले का आयोजन साल 1994 से शुरू किया गया।

जहाँ तक आस्था का केंद्र बने इस मंदिर की स्थापना का सवाल है तो गाँव की बुज़ुर्ग महिला स्वर्गीय पदमा देवी पत्नी श्री रामकरण गैदर ने सैंकड़ों साल पहले अपनी धार्मिक श्रद्धा के फलस्वरूप की। रामदेवरा या रूणेचा धाम जो कि राजस्थान के जैसलमेर में पड़ता है और देश विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। उनकी भक्ति और श्रद्धा के फलस्वरूप उन्होंने अपने गाँव में बाबा रामदेव मंदिर की नींव रखी। उनकी सोच थी कि उसके गाँव में बाबा रामदेव मंदिर की स्थापना हो और जो लोग सैंकड़ों मील रामदेवरा नहीं जा पाते वह यही से बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करे। तब से लेकर आज तक इस मंदिर के प्रति गाँव बड़वा के निवासियों ही नहीं, आस-पास के लोगों की अपार श्रद्धा है और यह कारवां जैसे-जैसे आगे बढ़ा तो बाबा रामदेव मेला समिति का गठन हुआ। समिति ने सन 1994 से यहाँ पर एक मेले और खेल प्रतियोगिता का आधिकारिक आयोजन करना शुरू कर दिया।

वैसे भी अन्य बातों को लेकर रोमांचक है गाँव बड़वा का इतिहास।

भिवानी के सिवानी मंडी खंड का गाँव बड़वा हरियाणवी फ़िल्मों में भी मशहूर है। सालों पहले यहाँ पर हरियाणवी फ़िल्म चंद्रावल को यहाँ के केसर तालाब पर फ़िल्माया गया। इसके लिए हरियाणा के जाने-माने कलाकार यहाँ पर पहुँचे थे। यही नहीं यहाँ की हवेलियाँ ऐतिहासिक है और इन हवेलियों का ज़िक्र हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े अभिलेखों में भी किया गया है। यहाँ 36 बिरादरी के लोग आपसी भाईचारे से रहते हैं। गाँव बड़वा में हर कोने पर आपको मंदिर देखने को मिल जाएंगे इसलिए गाँव बड़वा को छोटी काशी से कम नहीं आंका जाना चाहिए। गाँव बड़वा में लगने वाले बाबा रामदेव के मेले में हर वर्ष हजारों धर्म-प्रेमी बाबा रामदेव महाराज के दर्शन के लिए आते हैं। मेले में तरह-तरह की दुकानें सजाई जाती है। वहीं अनेक प्रकार के झूले और खेलों का आयोजन किया जाता है। बाबा रामदेव मेला कमेटी के वर्तमान प्रधान प्रदीप जांगड़ा बताते हैं कि हर साल की भांति इस साल भी यह मेला 7 फरवरी को बड़ी धूमधाम के साथ बाबा रामदेव मेला प्रांगण में आयोजित होगा और राजीव गांधी खेल स्टेडियम नेतृत्व खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

कमेटी के संस्थापक प्रधान मास्टर छोटूराम और खेल कमेटी के अध्यक्ष लालसिंह लालू ने बताया कि देशभर में दसवीं के दिन लगने वाले इस मेले में बड़वा धर्मनगरी में हजारों धर्म प्रेमी बाबा रामदेव महाराज के दर्शन के लिए आएंगे और मेले में खिलौनों और तरह-तरह की प्रसाद की दुकानें सजाई जाएगी। जय बाबा रामदेवरा की।

बागड़ी परिवार द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

परिवहन विशेष न्यूज

सिकंदराबाद स्थित चेरलापली बागड़ी परिवार द्वारा आयोजित अतिथियों के सम्मान समारोह में कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों का आयोजक महेश बागडी, इन्द्रपाल सैनी, गौरव सैनी, बनवारी जांगिड, विकास शर्मा, राजेश सांखला, ओमप्रकाश कटारिया, सुनील सैनी, राजेश सैनी, विजय सैनी, बनवारी सैनी व समाज बंधु।

शराब फैक्ट्री से 3.5 करोड़ की लूट का मामला: झारखंड का 8 सदस्यीय गिरोह पकड़ा गया, जंगल से सारी रकम जब्त

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: 30 जनवरी की रात को कालाहांडी जिले के धर्मगढ़ में एक देशी शराब की भट्टी से लुटेरों ने 3.5 करोड़ रुपये लूट लिए। इतने बड़े पैमाने पर हुई डकैती की घटना से पूरे प्रदेश में हड़कंप मच गया था। लेकिन 24 घंटे के भीतर ही कालाहांडी जिला पुलिस ने डकैती में शामिल 8 सदस्यीय झारखंड डकैत गिरोह को गिरफ्तार कर सारा पैसा बरामद कर लिया।आरोपियों में ताहिर अंसारी, समीम अंसारी, हुसैन खान, जसीम खान, बासुदेव गोप, पिंटू उर्फ अलीम और अनुज कुमार शामिल हैं, जो रांची इलाके के अंसारी गिरोह के नाम से जाने जाते हैं। इनके पास से लूट में प्रयुक्त एक पिस्तौल और बोलेरो (जेएच 10एपी 4817) जब्त कर ली गई है। काफी देर तक पीछा करने के बाद अंसारी गिरोह झारखंड के रांची से लगभग 600 किलोमीटर की दूरी तय करके कालाहांडी के धर्मगढ़ में एक योजनाबद्ध डकैती को अंजाम देने में कामयाब रहा, लेकिन लूट के बाद की उनकी हरकतों ने उन्हें पुलिस के चंगुल में पहुंचा दिया।

आज डीजीपी वाई.बी.खुरानिया ने भुवनेश्वर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इस डकैती की जानकारी दी और गिरोह को पकड़ने में सहयोग के लिए 11 जिलों की पुलिस को धन्यवाद दिया। अंसारी गिरोह के सभी सदस्य पुलिस के जाल में फंस गए हैं और लूटी गई सारी रकम बरामद कर ली गई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह को संगठित करने में कोई स्थानीय व्यक्ति शामिल था। दिलचस्प बात यह है कि शराब की दुकान का मालिक झारखंड का निवासी है।झारखंड के इस शराब व्यापारी की भवानीपटना में 10 और धर्मगढ़ में 8 डिस्टिलरी हैं, इस प्रकार कुल 18 डिस्टिलरी हैं। जिस शराब भट्टी को लूटा गया वह धर्मगढ़ पुलिस थाने से 7 किलोमीटर दूर स्थित है और सभी 18 भट्टियों का प्रबंधन यहीं से होता है। चूंकि महीना खत्म होने वाला था, इसलिए मालिक ने कर्मचारियों के वेतन, वाहन किराये और अन्य मासिक भुगतान के लिए पैसे बचा रखे थे। इसलिए डकैती गिरोह ने सही समय पर हस्तक्षेप किया।

खिल गया दिग दिगंत : डॉ. सत्यवान सौरभ

आ गया ऋतुराज बसंत।
प्रकृति ने ली अंगड़ाई,
खिल गया दिग दिगंत।।

भाव नए जन्मे मन में,
उल्लास भरा जीवन में।
प्रकृति में नव सृजन का,
दौर चला है तुरंत।
खिल गया दिग दिगंत।।

कूकू करती काली कोयल,
नव तरुपल्लव नए फल।
हरियाली दिखती चहुंओर,
पतझड़ का हो गया अंत।
खिल गया दिग दिगंत।।

बहकी हवाएं छाई,
मस्ती की बहार आई।
झूम रही कली-कली
खुशबू हुई अनंत।
खिल गया दिग दिगंत।।

सोए सपने सजाने,
कामनाओं को जगाने।
आज कोंपले कर रही,
पतझड़ से भिड़ंत।
खिल गया दिग दिगंत।।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023